नई दिल्ली ■ गुरुवार 08 जनवरी 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 281 ■ पृष्ठ 08

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 बदली सोच, उभरी शक्ति | 07 ICC महिला टी-20 विश्व कप 2026 क्वालिफायर का कार्यक्रम घोषित | साई पल्लवी अब बॉलीवुड में भी धूम मचाने को तैयार 08

सेंट्रल दिल्ली में अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान हिंसा भड़की, 5 पुलिसकर्मी घायल

नई दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान के पास बुधवार तड़के अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान स्थानीय लोगों के पथराव करने से पांच पुलिसकर्मी मामूली रूप से घायल हो गये। दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश पर, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने राष्ट्रीय राजधानी में रामलीला मैदान के पास तुर्कमान गेट पर फैज-ए-इलाही मस्जिद के आसपास अवैध ढांचों के खिलाफ हटाने का अभियान शुरू किया था, तभी यह घटना हुई।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी निधिन वालसन ने मीडिया कर्मियों को बताया कि लगभग 25-30 लोगों ने पुलिस टीमों पर पत्थर फेंके, जिसमें पांच पुलिसकर्मी मामूली रूप से घायल हो गये। उन्होंने कहा कि हमें स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा।

वहां एक बैंक्वेट हॉल और एक दवाखाना था, जिन्हें गिरा दिया गया है। यह अभियान रात में चलाया गया, ताकि लोगों को कोई दिक्कत न हो। उन्होंने कहा कि पथराव में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले एक बयान में, दिल्ली के सेंट्रल रेंज के संयुक्त आयुक्त मधुर वर्मा ने बताया कि पूरे इलाके को सावधानीपूर्वक नौ जोन में बांटा गया था, जिनमें से प्रत्येक को अतिरिक्त उप आयुक्त रैंक के एक अधिकारी की देखरेख में रखा गया था। सभी संवेदनशील जगहों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। विध्वंस अभियान से पहले, शांति बनाये रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के उद्देश्य से अमन समिति के सदस्यों और अन्य स्थानीय हितधारकों के साथ कई समन्वय बैठकें आयोजित की गयीं।

पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि सभी संभावित निवारक और विश्वास- बनाये रखने के उपाय किये गये। विध्वंस के दौरान, कुछ शरारती तत्वों ने पथराव करके अशांति फैलाने की कोशिश की।

स्थिति को तुरंत नियंत्रित किया गया और बल का न्यूनतम उपयोग किया गया। यह सुनिश्चित किया गया कि बिना किसी किसी परेशानी के सामान्य स्थिति बहाल हो जाये। अधिकारी ने कहा कि दिल्ली पुलिस कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिए प्रतिबद्ध है, साथ ही यह भी सुनिश्चित करती है कि सभी न्यायिक निर्देशों को कानूनी, पेशेवर और संवेदनशील तरीके से लागू किया जाये।

पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की, 10 हिरासत में

दिल्ली के तुर्कमान गेट इलाके में अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद तनाव की स्थिति रही। इसी बीच, पत्थरबाजी की घटना को लेकर दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। इस मामले में करीब 10 लोगों को भी हिरासत में लिया गया। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बुधवार सुबह इसकी जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तुर्कमान गेट के पास फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास के इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है, जहां देर रात एमसीडी ने अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। पत्थरबाजी की घटना के सिलसिले में अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। अभी सीसीटीवी फुटेज और बॉडी कैमरा रिकॉर्डिंग की मदद से पत्थर फेंकने वालों की पहचान की जा रही है। उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश दिखाए गए थे, जिसके बाद काफी संख्या में लोग लौट गए। लेकिन कुछ लोग वापस लौटकर आए और उन्होंने पथराव किया।

'परीक्षा पे चर्चा' में छात्रों से संवाद के लिए उत्सुक हूं : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि वह वार्षिक 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के साथ परीक्षाओं के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत करने के लिए उत्सुक हैं। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह परीक्षा योद्धाओं से ऐसे सवाल और अनुभव सुनने के लिए उत्सुक हैं, जो दूसरों को प्रेरित कर सकें।

उन्होंने कहा कि दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाएं नजदीक आ रही हैं और इस साल की परीक्षा पे चर्चा भी। प्रधानमंत्री ने कहा कि परीक्षाओं के विभिन्न पहलुओं पर छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के साथ बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं, विशेष रूप से परीक्षा के तनाव को दूर करने के तरीकों, शांत और आत्मविश्वासी बने रहने और मुस्कुराते हुए परीक्षा देने के तरीकों पर।₹ भारत और 26 देशों से लगभग 45 लाख उम्मीदवारों के कक्षा 10वीं और 12वीं के 204 विषयों में परीक्षा के लिए शामिल होने के उम्मीद है। सीबीएसई की परीक्षाएं 17 फरवरी से शुरू होने की संभावना है। 'परीक्षा पे चर्चा' के नौवें संस्करण के लिए 375 करोड़ छात्रों सहित चार करोड़ से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। 'परीक्षा पे चर्चा' के लिए पंजीकरण 11 जनवरी को समाप्त होगा।

आईसीजीएस समुद्र प्रताप भारत की समुद्री सुरक्षा में मील का पत्थरः मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को भारतीय तटरक्षक पोत 'आईसीजीएस समुद्र प्रताप' के नौसेना बेड़े में शामिल होने की सराहना की और इसे देश की समुद्री सुरक्षा और आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता की दिशा में बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस आधुनिक जहाज के शामिल होने से भारत की तटीय निगरानी और समुद्री हितों की सुरक्षा को और ताकत मिलेगी। यह पोत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की सोच को मजबूत करेगा और देश की सुरक्षा व्यवस्था को नई धार देता है।

संक्षिप्त खबरें

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के वांछित अपराधी अमन का सीबीआई ने कराया प्रत्यर्पण

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के सहयोग से वांछित अपराधी अमन कुमार उर्फ अमन भैंसवाल को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पण कराया। प्रत्यर्पण के बाद उसे दिल्ली हवाई अड्डे पर हरियाणा पुलिस की टीम ने हिरासत में ले लिया। सीबीआई के अनुसार, अमन हत्या, दंगा और आपराधिक साजिश जैसे गंभीर मामलों में वांछित था। वह कुख्यात अपराधी लॉरेंस बिश्नोई की गैंग का सक्रिय सदस्य है। अमन को पहले भारत में गिरफ्तार किया गया था और बाद में जमानत पर रिहा किया गया, लेकिन उसने मुकदमे का सामना नहीं किया और फरार हो गया। हरियाणा पुलिस के अनुरोध पर सीबीआई ने इंटरपोल के जरिए उसके खिलाफ रेड नोटिस जारी कराया। इसके बाद उसे अमेरिका में ट्रेस कर सफलतापूर्वक भारत प्रत्यर्पित किया गया। सीबीआई ने बताया कि पिछले कुछ साल में इंटरपोल चैनलों के जरिए 150 से अधिक वांछित अपराधियों को भारत वापस लाया गया है।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में 26 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में बुधवार को 26 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में 13 पर कुल 65 लाख रुपये का इनाम था। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि नक्सलवादी आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सुकमा पुलिस की ओर से 'पूना मार्गेम' पुनर्वास से पुनर्जीवन अभियान संचालित किया जा रहा है। इससे प्रभावित होकर तथा पुलिस के बढ़ते प्रभाव से 26 नक्सलियों ने आत्मसमपर्ण किया है। इन 26 नक्सलियों में सात महिलाएं हैं। इन सभी ने सामान्य जीवन में लौटने का निर्णय लिया है। आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों को 50,000 रुपये की सहायता दी गई और उन्हें सरकार की नीति के अनुसार पुनर्वासित किया जाएगा।

सूर्यवंशी और जॉर्ज के शतक, भारत ने श्रृंखला 3-0 से क्लीन स्वीप की

बेनोनी (दक्षिण अफ्रीका)। वैभव सूर्यवंशी ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए सैकड़ा जड़ा जबकि आरोन जॉर्ज ने भी शतकीय पारी खेली जिससे भारत की अंडर-19 टीम ने तीसरे युवा वनडे में दक्षिण अफ्रीका को 233 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला क्लीन स्वीप कर ली। कप्तान सूर्यवंशी ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद एक बार फिर छक्कों की बरसता करते हुए 74 गेंद में 127 रन बनाए जिसमें 10 छक्के और नौ चौके शामिल थे। बिहार के इस 14 साल के खिलाड़ी ने पिछले मैच में 24 गेंद में 68 रन की पारी खेली थी।

नोएडा प्राधिकरण ने की अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने अतिक्रमण को रोकने में लापरवाही बरतने के आरोप में बुधवार को अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की। अधिकारियों ने बताया कि कथित लापरवाही और ढीली निगरानी के कारण अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण होने के आरोप में वर्क सर्कल-06 के अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। प्रबंधक अब्दुल शाहिद को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने में विफल रहने और अपने कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही बरतने के आरोप में उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू की गई है। सहायक प्रबंधक विनीत कुमार शर्मा को उनकी प्रतिनियुक्ति अवधि पूरी होने के बाद प्राधिकरण की सेवा से तत्काल प्रभाव से मुक्त कर दिया गया है।

एसआईआर का दूसरा चरण

12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से करीब 6.5 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग द्वारा नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के कराए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) के तहत करीब 6.5 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। इन 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 27 अक्टूबर को एसआईआर की प्रक्रिया शुरू हुई थी और तब कुल 50.90 करोड़ मतदाता पंजीकृत थे।

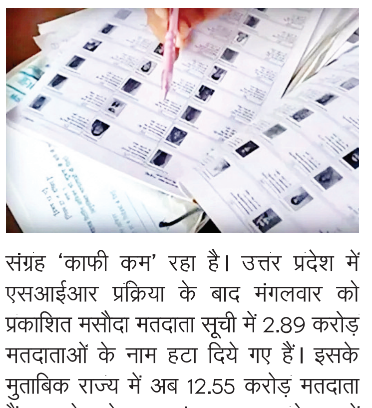

हालांकि अलग-अलग प्रकाशित मसौदा मतदाता सूचियों में मतदाताओं की संख्या घटकर 44.40 करोड़ रह गई है। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बताया कि जिन लोगों के नाम सूची से हटाए गए हैं, उन्हें 'एएसडी' यानी अनुपस्थित, स्थानांतरित और मृत/ नाम में दोहराव की श्रेणी में रखा गया है। उन्होंने पहले उपलब्ध रुझानों का हवाला देते हुए कहा था कि एसआईआर की प्रक्रिया में शामिल राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में गणना प्रपत्रों का संग्रह 'काफी कम' रहा है। उत्तर प्रदेश में एसआईआर प्रक्रिया के बाद मंगलवार को प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची में 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम हटा दिये गए हैं। इसके मुताबिक राज्य में अब 12.55 करोड़ मतदाता हैं। आयोग ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पहले सूचीबद्ध 15.44 करोड़ मतदाताओं में से 2.89 करोड़ (करीब 18.70 प्रतिशत)मतदाताओं के नाम मृत्यु, स्थायी प्रवास या एकाधिक पंजीकरण के कारण मसौदा सूची में शामिल नहीं किए जा सके।

कुत्तों के काटने से ही नहीं, आवारा पशुओं के कारण भी सड़क हादसों में जा रही लोगों की जानः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने नगरीय निकायों द्वारा नियमों और निर्देशों का अनुपालन न करने की ओर ध्यान दिलाते हुए बुधवार को कहा कि देश में न केवल कुत्तों के काटने से बल्कि सड़कों पर आवारा जानवरों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं से भी लोगों की मौत हो रही है।

कुत्ता प्रेमियों और आदेशों के कड़े अनुपालन की मांग करने वालों द्वारा दायर न्यायालय के पूर्व आदेशों में संशोधन की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया की पीठ ने कहा कि वह सुनवाई इसलिए कर रही है, क्योंकि कई वकीलों और पशु कार्यकर्ताओं ने दावा किया है कि सात नवंबर को आदेश पारित होने से पहले उनकी बात नहीं सुनी गई थी। पीठ ने कहा कि सड़कों पर कुत्ते और आवारा जानवर नहीं होने चाहिए। कुत्तों के काटने की घटनाएं ही नहीं, बल्कि सड़कों पर आवारा जानवरों का घूमना भी खतरनाक साबित हो रहा है और दुर्घटनाओं का कारण बन रहा है।

सुबह-सुबह कौन सा कुत्ता किस मूड में होगा, यह कोई नहीं जानता। नगर निकायों को नियमों, कार्य प्रणालियों और निर्देशों का सख्ती से पालन करना होगा।न्यायमूर्ति मेहता ने बताया कि पिछले 20 दिनों में राजस्थान उच्च न्यायालय के दो न्यायाधीश दुर्घटनाओं का शिकार हुए हैं और उनमें से एक न्यायाधीश अब भी रीढ़ की हड्डी की चोटों से जूझ रहे हैं। उन्होंने मामले में पेश हुए वकीलों से कहा कि यह एक गंभीर मुद्दा है। मामले में अदालत के पूर्व आदेश में संशोधन का अनुरोध करने वाले याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि समाधान सभी कुत्तों को पकड़ना नहीं है, बल्कि पशु-मानव संघर्ष को कम करने के लिए विश्व स्तर पर स्वीकृत वैज्ञानिक फार्मूला अपनाना है।

उन्होंने तर्क दिया कि अदालत आवारा कुत्तों की आबादी के प्रबंधन और नियंत्रण के लिए सीएसवीआर (पकड़ना, नसबंदी करना, टीकाकरण करना और छोड़ना) के फार्मूले को अपना सकती है, जिससे धीरे-धीरे कुत्ते के काटने की घटनाओं में कमी आएगी।

न्यायमूर्ति नाथ ने कहा कि इलाज से परहेज बेहतर है, और बताया कि इस मामले में बहस करने के लिए कुछ खास नहीं है क्योंकि अदालत ने केवल संस्थागत क्षेत्रों से आवारा कुत्तों को हटाने का निर्देश दिया है और उसने किसी भी नियम और विनियम में हस्तक्षेप नहीं किया है। पीठ ने कहा कि इस मामले में वह राज्यों और नागरिक निकायों द्वारा नियमों, विनियमों, मॉड्यूल और मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के सख्त प्रवर्तन की कोशिश कर रही है। शीर्ष अदालत ने कहा कि कुछ राज्यों ने हमारे आदेशों का पालन करने और तर्कों को लागू करने में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हम उन राज्यों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे।

संगम कुमार साहू बने पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश

पटना। पटना उच्च न्यायालय के नव नियुक्त मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संगम कुमार साहू को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने बिहार लोक भवन में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके साथ ही न्यायमूर्ति संगम कुमार साहू पटना उच्च न्यायालय के 47वें मुख्य न्यायाधीश बन गए। शपथग्रहण के बाद न्यायमूर्ति साहू ने औपचारिक रूप से मुख्य न्यायाधीश का कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने पूर्व मुख्य न्यायाधीश पी.बी. बजंथ्री के सेवानिवृत्त होने के बाद यह जिम्मेदारी ग्रहण की।

इससे पहले पटना उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति सुधीर सिंह कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश के रूप में दायित्व निभा रहे थे।

लुधियाना में सरकारी दफ्तरों की रेकी करते खालिस्तान कमांडो फोर्स के दो गुर्गे पकड़े गए

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने लुधियाना में सरकारी दफ्तरों की रेकी करते हुए खालिस्तान कमांडो फोर्स के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह किसी सरकारी दफ्तर में बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। इनके कब्जे से एक 9 एमएम पिस्टल और 5 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

योगी सरकार का बड़ा फैसला : असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा निरस्त

मुख्यमंत्री ने दिए पारदर्शी ढंग से जल्द परीक्षा कराने के निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने बुधवार को बड़ा निर्णय लेते हुए उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा निरस्त कर दी है। एसटीएफ की जांच रिपोर्ट में अनियमितताओं की जानकारी सामने आने बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा को निरस्त करते हुए आयोग को जल्द पारदर्शी तरीके से पुनः परीक्षा आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

दरअसल, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज ने विज्ञापन संख्या-51 के अंतर्गत असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए 16 व 17 अप्रैल 2025 को अप्रैल 2025 में आयोजित की थी। इस परीक्षा के संबंध में उत्तर प्रदेश सरकार को अनियमितताओं व धांधली और अवैध धन वसूली से जुड़ी शिकायतें मिली थीं। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री ने पूरे मामले की गोपनीय जाँच के आदेश दिए थे।

इसके बाद 20 अप्रैल 2025 को एसटीएफ उप्र ने असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा का फर्जी प्रश्नपत्र बनाकर अभ्यर्थियों से ठगी करने में महबूब अली, बैजनाथ पाल एवं विनय पाल को गिरफ्तार किया था। इसके बाद जाँच की निष्पक्षता एवं गोपनीयता सुनिश्चित रखने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज की तत्कालीन अध्यक्ष कीर्ति पांडेय से इस्तीफा ले लिया गया था। एक आरोपित महबूब अली तत्कालीन आयोग अध्यक्ष कीर्ति का गोपनीय सहायक था। पूछताछ के दौरान आरोपित महबूब अली ने स्वीकार किया कि उसने मॉडरेशन प्रक्रिया के दौरान ही विभिन्न विषयों के प्रश्न पत्र निकाल लिए थे, जिन्हें उसने कई अभ्यर्थियों को विभिन्न माध्यमों से धन लेकर उपलब्ध कराया था।

आरोपित महबूब की स्वीकारोक्ति की एसटीएफ ने गहन विवेचना एवं डेटा एनालिसिस से पुष्टि हुई है। जानकारी के अनुसार जांच के दौरान गिरफ्तार आरोपितों तथा उनसे संबंधित अभ्यर्थियों के मोबाइल नंबरों का डाटा विश्लेषण एवं मुखबिर तंत्र से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर कुछ अन्य व्यक्तियों के नाम एवं मोबाइल नंबर भी प्रकाश में आए। इस संबंध में आयोग को पत्र लिखकर संदिग्ध अभ्यर्थियों का डाटा माँगा गया। डाटा के मिलान में यह तथ्य सामने आया कि उक्त परीक्षा की शुचिता भंग हुई है।

इंडिगो के बेड़े में शामिल हुआ देश का पहला ए321XLR विमान

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइंस इंडिगो ने पहला एयरबस एयरक्राफ्ट A321XLR उतारकर इतिहास रच दिया। यह विमान खासतौर से लंबी दूरी की उड़ानों के लिए बनाया गया है।

सबसे लंबा नैरो-बॉडी वाला यह विमान एयरलाइन को अपने मौजूदा A320 एयरक्राफ्ट के बेड़े से ज़्यादा दूर तक उड़ान भरने की सुविधा देगा। इंडिगो ने बुधवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि भारत का पहला A321 XLR आखिरकार घर आ गया है। कंपनी ने बताया कि ऑर्डर किए गए 40, A321XLR में से पहले विमान की डिलीवरी हो गई है, जिसकी दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंडिंग हुई। इंडिगो के बेड़े में शामिल भारत का पहला एयरबस A321XLR विमान एथेंस के लिए सीधी उड़ानें शुरू करेगा और भारत की लंबी दूरी की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की क्षमता को बढ़ाएगा। एयरलाइन ने बताया कि पहला A321XLR को इंडिगो की नई सर्विसेज पर इस्तेमाल किया जाएगा, जो 23 जनवरी से मुंबई को एथेंस से और 24 जनवरी, 2026 से दिल्ली को एथेंस से जोड़ेगी, ये दोनों उड़ानें सप्ताह में तीन बार चलेंगी।

सबसे लंबा नैरो-बॉडी एयरक्राफ्ट एयरलाइन को अपने मौजूदा A320 एयरक्राफ्ट के बेड़े से ज्यादा दूर तक उड़ान भरने की सुविधा देगा।

राज्य महिला आयोग की सदस्य ने सुनी समस्याएं कहा

महिलाओं से जुड़े मामलों में त्वरित हो कार्रवाई : डॉ. मीनाक्षी भराला

गौतम बुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. मीनाक्षी भराला की अध्यक्षता में बुधवार को कार्यालय खंड विकास अधिकारी, दादरी के सभागार में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनसुनवाई के दौरान महिलाओं से जुड़े कुल 10 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनका मौके पर ही गंभीरतापूर्वक अनुश्रवण किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. मीनाक्षी भराला ने महिलाओं की समस्याएं और शिकायतें ध्यानपूर्वक सुनीं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण के प्रभावी और त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी मामलों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से हल किया जाए, ताकि पीड़ित महिलाओं को शीघ्र न्याय मिल सके। जनसुनवाई के दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को बाल विवाह पर रोक लगाने की शपथ भी दिलाई। उन्होंने

कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई और गैरकानूनी कृत्य है, जो बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और विकास में बाधा बनता है।

उन्होंने सभी से आह्वान किया कि अपने परिवार, पड़ोस और समाज में बाल विवाह रोकने के लिए सतर्क रहें और किसी भी प्रयास की सूचना प्रशासन व संबंधित हेल्पलाइन को दें। इस अवसर पर डॉ. मीनाक्षी भराला ने मातृत्व और बाल संरक्षण का संदेश देते हुए पांच लाभार्थियों को बेबी किट वितरित की। साथ ही गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं छोटे बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार विधिवत रूप से संपन्न कराया गया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ मातृत्व और सुरक्षित बचपन ही सशक्त और विकसित समाज की मजबूत नींव है तथा सरकार महिलाओं और बच्चों के पोषण, सुरक्षा और अधिकारों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के दौरान बाल विकास परियोजना, दादरी द्वारा राज्य कौशल मिशन के अंतर्गत मोटे अनाज से बने पौष्टिक व्यंजनों के स्टॉल लगाए गए। इनमें रागी की टिक्की, चना दाल खिचड़ी, सूजी की इडली, नारियल की चटनी, बाजरे के बिस्किट और बेसन का टोकला शामिल रहे। डॉ. भराला ने स्टॉलों का निरीक्षण किया, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से संवाद किया और व्यंजनों की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। महिला जनसुनवाई एवं पोषण कार्यक्रम के बाद डॉ. मीनाक्षी भराला ने सेक्टर-62 नोएडा स्थित राजकीय बाल/बालिका गृह एवं वन स्टॉप सेंटर का भी निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपलब्ध व्यवस्थाओं और पीड़ित महिलाओं को दी जा रही सुविधाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए। कार्यक्रम में उपायुक्त पुलिस महिला सुरक्षा मनीषा सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर, संरक्षण अधिकारी विभा, पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, वन स्टॉप सेंटर नोएडा की प्रबंधक रिंकी रानी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंदिर का दान पात्र तोड़कर चोरी करने वाले दो बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

नोएडा। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में घरों व मंदिरों में चोरी करने वाले एक गिरोह के दो बदमाशों को थाना सूरजपुर पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान किया है। चेकिंग के दौरान पुलिस पर गोली चलाकर भाग रहे बदमाशों को जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगी है।

पुलिस ने बदमाशों के पास से अवैध हथियार, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, 20 हजार 700 रूपए नकद, मोबाइल फोन तथा ताला तोड़ने का औजार बरामद किया है। एडीसीपी सेंट्रल नोएडा संतोष कुमार ने बताया कि थाना सूरजपुर पुलिस ने सुबह को मोजर बियर कंपनी के पास बैरियर लगाकर चेकिंग कर रही थी, तभी एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर दो लोग सामने से आते हुए दिखाई दिए।

पुलिस ने उन्हें रूकने का इशारा किया तो वे रुकने की बजाए वहां से बाइक मोड़कर भागने लगे। पुलिस ने पीछा करके उन्हें घेर लिया। अपने आपको पुलिस से घिरा हुआ देख बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाई। उन्होंने बताया की जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली सिराजुद्दीन उर्फ गुड्डू तथा मयंक शर्मा के पैर में लगी है। उन्होंने बताया कि दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उन्होंने बताया कि सिराजुद्दीन के खिलाफ पूर्व में विभिन्न थानों में 17 तथा मयंक के खिलाफ 6 मुकदमे दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि इन बदमाशों के पास से नवादा गांव स्थित एक मंदिर के दान पात्र को तोड़कर की गई चोरी की रकम मे से 20 हजार 700 रूपए नकद तथा तिलपता गांव स्थित एक घर में घुसकर की गई चोरी के सामान में से मोबाइल फोन, 2165 रूपए नकद, बैग, आधार कार्ड तथा ताला तोड़ने के उपकरण आदि बरामद हुआ है।

इन बदमाशों के पास से पुलिस ने एक बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल भी बरामद किया है। उन्होंने बताया कि इन बदमाशों ने एनसीआर में चोरी और लूटपाट की दर्जनों वारदातें करनी स्वीकार की है। उन्होंने बताया कि अभियुक्तों के अन्य आपराधिक इतिहास के बारे में जानकारी एकत्र की जा रही है।

छात्रा दूसरी मंजिल की सीढ़ियों से गिरी

नोएडा। हरौला गांव में रहने वाली 11 वर्षीय छात्रा मंगलवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में दूसरी मंजिल की सीढ़ियों से नीचे गिर गई। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां से डॉक्टर ने उसकी बिगड़ती हालत को देखते हुए दिल्ली रेफर कर दिया। पुलिस के अनुसार 11 वर्षीय गुलजार बानो हरौला गांव में रहती है। वह मंगलवार रात अपने मकान की दूसरी मंजिल की सीढ़ियों से संदिग्ध परिस्थितियों में नीचे गिर गई। इस घटना में उसे गंभीर चोटें लगीं। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। डॉक्टर ने बिगड़ती हालत को देखते हुए उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में सीढ़ियों पर पैर फिसलने के चलते छात्रा गिरी। गिरने का सही कारण, जांच पूरी होने के बाद ही पता चलेगा।

विधायक से परिजनों ने लगाई युवक को ढूंढने की गुहार

तीन दिन पहले सेक्टर 17 के पास स्थित गहरे नाले में डूबा था युवक

नोएडा। नोएडा के थाना फेस-वन क्षेत्र के सेक्टर 17 स्थित जेजे कॉलोनी में रहने वाला एक 25 वर्षीय युवक कलीम तीन दिन पूर्व सेक्टर 17 के पास स्थित गहरे नाले में नशे की हालत में कूद गया। पुलिस तलाश कर रही है। उसके परिजनों ने आज नोएडा के विधायक पंकज सिंह से मिलकर युवक को जल्द से जल्द तलाश करने के लिए गुहार लगाई है।

थाना फेस- वन के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार मान ने बताया कि मोहम्मद कलीम पुत्र मोहम्मद हबीब उम्र 25 वर्ष नशे की हालत में 4 जनवरी को सेक्टर 17 के पास से गुजर रहे बड़े नाले में कूद गया। उसकी चाची अंगूरी खातून ने उसे बाहर निकाला और नहलवा रही थी इसी बीच वह दोबारा से चाची से हाथ छुड़ाकर भागा और नाले में कूद गया। उसके बाद से उसका पता नहीं चल

रहा है। उन्होंने बताया कि उसके परिजनों ने आशंका जताई है कि नाले के गहरे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि गोताखोरों की सहायता से दो दिनों से पुलिस तलाश में जुटी है, लेकिन अभी तक कलीम का पता नहीं चला है। उन्होंने बताया कि आज एनडीआरएफ की टीम की सहायता से तलाश की जाएगी। वहीं कलीम के परिजनों का आरोप है कि वह इकबाल नामक व्यक्ति की मोटरसाइकिल पर बैठ गया था। इससे आक्रोशित इकबाल ने उसकी पिटाई कर दी, तथा जान से मारने की धमकी दी। डरकर कलीम वहां से भाग कर जेजे कॉलोनी के पीछे से बह रहे बड़े नाले में छुपने की नीयत से गया। वह फिसल कर नाले में गिर गया।

इस मामले में कॉलोनी की निगरानी समिति के नेता ब्रह्मपाल सिंह, मीडिया प्रभारी मुफ्ती मुबारक तथा अवधेश कुशवाहा आदि ने आज नोएडा के विधायक पंकज सिंह के नोएडा स्थित आवास पर पहुंचकर शव को जल्द से जल्द ढूंढने की अपील की।

सड़क हादसे से चाचा-भतीजे की मौत

दादरी। दादरी बाईपास पर बेकाबू ट्रक ने कार में टक्कर मार दी। हादसे में कार में सवार चाचा-भतीजे की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रक को छोड़कर भाग गया। पुलिस ने चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कासगंज निवासी विकास ने पुलिस को बताया कि वह नोएडा के गढ़ी चौखंडी में किराये के मकान में रहते हैं। उनका साला रोमेंद्र कुमार अपने चाचा मनजीत के साथ 31 दिसंबर को किसी काम से नोएडा के बिशनपुरा गांव आया था। विकास ने बताया कि दोनों रात के समय अपनी कार से वापस कासगंज अपने घर लौट रहे थे। वे दादरी बाईपास पर पहुंचे तो

बेकाबू ट्रक चालक ने उनकी कार में टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटनास्थल पर रोमेंद्र की मौत हो गई। पुलिस की टीम ने गंभीर हालत में मनजीत को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में इलाज के दौरान मनजीत ने भी दम तोड़ दिया। विकास ने अब इस मामले में आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। दादरी कोतवाली प्रभारी का कहना है कि ट्रैक को कब्जे में ले लिया गया है। आरोपी चालक को गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाएगी। उसकी तलाश की जा रही है।

कांग्रेस नेता गुरदीप सिंह सप्पल और उनके पूरे परिवार का नाम मतदाता सूची से कटा

नोएडा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुरदीप सिंह सप्पल ने बुधवार को दावा किया कि उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की मसौदा सूची में उनका और पूरे परिवार का नाम कट गया है। हाल ही में गाजियाबाद से नोएडा स्थानांतरित हुए सप्पल ने सोशल मीडिया के माध्यम से बीएलओ पर आरोप लगाया।

उन्होंने चिंता जाहिर की क्या वे सभी फॉर्म-6 भरकर अपना नाम दोबारा मतदाता सूची में जोड़ पाएंगे। निर्वाचन आयोग ने हालांकि कांग्रेस नेता को जवाब देते हुए बताया कि बीएलओ ने सही काम किया है और जिस तरह वह फॉर्म 6 भरेंगे उसी तरह सभी लोग भर सकते हैं। कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "उत्तर प्रदेश की एसआईआर मसौदा मतदाता सूची से उनका और उनके परिवार का नाम गायब है जबकि उनका नाम 2003 की वोटर लिस्ट में शामिल था। माता-पिता के नाम भी 2003 की वोटर लिस्ट में थे। आयोग के नियमों के अनुसार जरूरी दस्तावेज भी जमा कर दिए थे।"

सप्पल ने कहा, "मैं तो स्वयं भारत के उपराष्ट्रपति के साथ और राज्यसभा सचिवालय में संयुक्त सचिव था। साथ ही कांग्रेस की सर्वोच्च कमेटी सीडब्ल्यूसी का सदस्य हूं। यही नहीं एसआईआर और अन्य मुद्दों पर आयोग में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा भी कई बार रहा हूं। और ये सब बीएलओ भी जानते हैं। लेकिन फिर भी हमारे नाम कट गया।" कांग्रेस नेता ने बताया कि उनका घर पहले उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद विधान सभा क्षेत्र में था लेकिन वह अब नोएडा विधानसभा क्षेत्र में स्थानांतरित हो गए हैं। सप्पल ने कहा कि उन्हें बताया गया कि एसआईआर में स्थानांतरित हुए मतदाताओं का नाम बरकरार रखने का कोई प्रावधान नहीं है जैसे अगर किसी मतदाता ने अपना घर किसी नए इलाके में बदल लिया है, तो उसका नाम काट दिया गया है। उन्होंने कहा, "मेरे जैसे करोड़ों सही मतदाता हैं। मैं तो शायद फिर भी नया फॉर्म 6 भर कर अपने परिवार का नाम जुड़वा लूंगा लेकिन कितने लोग ऐसा कर पायेंगे।"

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने 'एक्स' पर कांग्रेस नेता को जवाब देते हुए कहा कि बीएलओ ने अपना काम नियम मुताबिक ही किया है और उन्हें फॉर्म 6 भरना होगा। उन्होंने कहा, "गुरदीप जी धन्यवाद। आपने अपनी पोस्ट में आपके और आपके परिवार के सदस्यों का नाम वोटर लिस्ट से कटने का सही कारण भी बताया कि आप गाजियाबाद से नोएडा आकर रहने लगे हैं।

बीएलओ ने अपना कार्य सही ढंग से किया है जो आपका नाम गाजियाबाद जिले की मतदाता सूची से काट दिया। आपको और आपके परिवार के सदस्यों को गौतम बुद्ध नगर जिले की मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 भरना चाहिए।" अधिकारी ने कहा,"जिस प्रकार आप फॉर्म-6 भर सकते हैं, बिलकुल उसी तरह आपके जैसी स्थिति में रहने वाले बाकी लोग भी फॉर्म-6 भर सकते हैं और उन्हें फॉर्म 6 भरना चाहिए।"

हस्तशिल्प की वैश्विक पहचान का उत्सव: आर्या फैशन्स ने मनाया आठवां वार्षिक दिवस, महिला सशक्तिकरण पर रहा फोकस

ग्रेटर नोएडा। हस्तशिल्प कला के क्षेत्र में अपनी सशक्त पहचान बना चुकी आर्या फैशन्स ने आज अपने आठ वर्ष पूरे होने पर भव्य वार्षिक दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। हस्तशिल्प आभूषण और बैग्स के निर्यात में अग्रणी आर्या फैशन्स एक सौ प्रतिशत निर्यातक कंपनी है, जिसे राज्य पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। कार्यक्रम में आर्या फैशन्स की सीईओ और फाउंडर डॉ. खुशबू सिंह ने कहा कि कंपनी का मूल उद्देश्य महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना और भारत की समृद्ध हस्तशिल्प कला को अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाना है।

इसी सोच के साथ उन्होंने अपनी टीम, वरिष्ठ अधिकारियों और विभागीय प्रतिनिधियों के साथ कंपनी की आठ वर्षों की सफल यात्रा का उत्सव मनाया। डॉ. खुशबू सिंह इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन की उपाध्यक्षा भी हैं और संगठन के माध्यम

से निरंतर सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। कार्यक्रम में इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित उपाध्याय ने शिरकत करते हुए डॉ. खुशबू सिंह के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनकी सक्रियता और नेतृत्व से आईबीए की टीम अधिक सशक्त हुई है और भविष्य में संगठन सामाजिक व औद्योगिक हित में और बेहतर कार्य करता रहेगा। इस अवसर पर आर्या फैशन्स की टीम द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं तथा अतिथियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन कंपनी की टीम ने किया।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख अतिथियों में डीसीपी ट्रैफिक प्रवीण रंजन सिंह, एडीसीपी महिला सुरक्षा मनीषा, एसीपी थ्री नोएडा सेंट्रल राजीव कुमार गुप्ता, जॉइंट कमिश्नर इंडस्ट्रीज अनिल कुमार, असिस्टेंट कमिश्नर त्रिभुवन पटेल, जिला सेवा योजना अधिकारी मनीषा अत्री, चौकी इंचार्ज इकोटेक थ्री आरती शर्मा, एसएचओ नोएडा सेक्टर 49 सुनील कुमार भारद्वाज, जीएनआईडी इंडस्ट्रीज डिपार्टमेंट से अरुण कुमार त्रिवेदी एवं आलोक कुमार यादव, भाजपा के वरिष्ठ नेता रविकांत मिश्रा, नोएडा प्रेस क्लब के अध्यक्ष आलोक त्रिवेदी तथा श्रम परिवर्तन अधिकारी राजकुमार शामिल रहे। सभी अतिथियों ने आर्या फैशन्स के आठ वर्षों की उपलब्धियों की सराहना की और कंपनी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इस उत्सव को यादगार बना दिया।

दिल्ली विस अध्यक्ष से आतिशी की सदस्यता रद्द करने की मांग

दिल्ली सरकार के मंत्रियों ने स्पीकर को लिखा पत्र, सदन गुरुवार तक स्थगित

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के कैबिनेट मंत्रियों और विधानसभा के मुख्य सचेतक अभय वर्मा ने बुधवार को दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को पत्र लिखकर नेता प्रतिपक्ष आतिशी की विधानसभा की सदस्यता रद्द करने, आपराधिक मुकदमा दर्ज करके जेल भेजने की मांग की।

दिल्ली विधानसभा परिसर में मनजिंदर सिंह सिरसा ने बुधवार को पत्रकारों को संबोधित को बताया कि आज अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता से छह जनवरी को दिल्ली विधानसभा में हुई एक गंभीर और दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर कड़ा रुख व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि शीतकालीन सत्र में गुरु तेग बहादुर जी की महान शहादत के सम्मान में नियम 270 के अंतर्गत आयोजित विशेष चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष आतिशी की टिप्पणी ने न केवल सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाई, बल्कि दुनिया भर के करोड़ों श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत किया। सिरसा ने बताया कि इस मामले को अत्यंत गंभीर मानते हुए छह मंत्रियों एवं विधानसभा के मुख्य सचेतक अभय वर्मा द्वारा संयुक्त रूप से विधानसभा अध्यक्ष को एक औपचारिक पत्र सौंपा गया है। इस पत्र के साथ आतिशी के वक्तव्य की शब्दशः टाइप की हुई प्रतिलिपि भी संलग्न की गई है, क्योंकि उनके द्वारा प्रयोग की गई भाषा इतनी आपत्तिजनक है कि उसे सार्वजनिक रूप से दोहराया भी नहीं जा सकता।

उन्होंने कहा कि जिस समय यह टिप्पणी की गई, उस दौरान सत्ता पक्ष के सदस्य मुख्यमंत्री एवं मंत्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत पर श्रद्धांजलि स्वरूप चर्चा में भाग ले रहे थे। ऐसे पावन विषय पर इस प्रकार की मर्यादाहीन भाषा का प्रयोग न केवल संसदीय परंपराओं का उल्लंघन है, बल्कि नैतिक पतन का भी उदाहरण है। सिरसा ने यह भी कहा कि देश की आजादी से लेकर आज तक किसी भी विधानसभा या संसद में किसी भी सदस्य द्वारा किसी भी गुरु साहिब के प्रति इस प्रकार की अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रकरण में केवल माफी पर्याप्त नहीं है, बल्कि कठोर और उदाहरणात्मक कार्रवाई आवश्यक है। उन्होंने जानकारी दी कि पत्र के माध्यम से अध्यक्ष से तीन प्रमुख मांगें की गई हैं– पहली, आतिशी की दिल्ली विधानसभा की सदस्यता तत्काल प्रभाव से रद्द की जाए; दूसरी, उनके खिलाफ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में आपराधिक मामला दर्ज किया जाए और तीसरी

अध्यक्ष को प्राप्त विशेषाधिकारों एवं शक्तियों का प्रयोग करते हुए उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई, जिसमें जेल की सजा भी शामिल हो, सुनिश्चित की जाए। सिरसा ने यह भी उल्लेख किया कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति तथा विभिन्न सिख संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को लिखित ज्ञापन सौंपकर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह विषय केवल दिल्ली या देश तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर सिख समुदाय और आम नागरिकों में गहरा आक्रोश है, और दुनिया भर से इस पापपूर्ण कृत्य पर कठोर कार्रवाई की मांग उठ रही है। सिरसा ने इस ओर भी ध्यान दिलाया कि जिस नेता प्रतिपक्ष ने एक दिन पहले बार-बार प्रदूषण पर चर्चा कराने की मांग की थी, वही नेता प्रतिपक्ष उस दिन सदन में उपस्थित नहीं रहीं, जब प्रदूषण पर विधिवत चर्चा रखी गई थी। उन्होंने कहा कि यह अनुपस्थिति इस बात का स्पष्ट संकेत है कि आतिशी को अपने द्वारा किए गए कृत्य की गंभीरता और उसके सार्वजनिक प्रभाव का पूरा पता था।

उन्होंने कहा कि परंपरा और संसदीय मर्यादा के अनुसार ऐसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के दौरान सदन के नेता और नेता प्रतिपक्ष दोनों का उपस्थित रहना आवश्यक होता है। किंतु गुरु तेग बहादुर जी के सम्मान से जुड़े प्रस्ताव पर न तो आतिशी ने कोई सकारात्मक वक्तव्य दिया और न ही प्रदूषण पर चर्चा के दिन सदन में आना उचित समझा। सिरसा ने इसे नैतिक उत्तरदायित्व से पलायन करार देते हुए कहा कि जनता ऐसे व्यवहार को न तो स्वीकार करेगी और न ही भूल पाएगी। सिरसा ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी के सम्मान और विधानसभा की गरिमा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और उन्हें पूर्ण विश्वास है कि अध्यक्ष इस गंभीर मामले में विधिसम्मत कड़ा निर्णय लेंगे। लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने यहां पत्रकारों से कहा कि आतिशी ने जो किया उसे संज्ञान में लेते हुए उनकी सदस्यता को रद्द करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आतिशी ने श्री गुरु तेग बहादुर जी का अपमान करके सदन के साथ-साथ पूरे देश को आहत किया है। देश की अखंडता को मजबूत करने के लिए हमारे गुरुओं ने पूरे परिवार के साथ अपनी शहादत दी लेकिन विपक्ष की नेता आतिशी ने उनका मजाक उड़ाया। इससे पहले आज दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र में भाजपा विधायकों ने नेता प्रतिपक्ष आतिशी के सिख गुरुओं पर टिप्पणी को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। भाजपा विधायकों ने आतिशी से माफी मांगने को लेकर सदन में विरोध प्रदर्शन किया।

हंगामे को देखते ही विधानसभा सभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन को पहले आधे घंटे के लिए स्थगित कर दिया। उसके बाद सदन जब दोबारा शुरू हुआ फिर भाजपा विधायकों ने आतिशी की माफी मांगने को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने गुरुवार तक के लिए सदन को स्थगित कर दिया। सदन स्थगित होने के बाद भी भाजपा विधायकों ने आतिशी की माफी मांगने और उनपर कार्रवाई को लेकर दिल्ली विधानसभा परिसर में प्रदर्शन किया। भाजपा विधायकों ने दिल्ली विधानसभा परिसर में स्थित महात्मा गांधी की मूर्ति के आगे बैठकर विरोध प्रदर्शन किया।

संक्षिप्त खबरें

बहन से दोस्ती करने पर युवक को चाकू मारा

नई दिल्ली। सुंदर नगरी में युवती से दोस्ती को लेकर हुए विवाद में भाई ने दो दोस्तों के साथ मिलकर 25 वर्षीय युवक पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, रिजवान उर्फ बुलबुल की बहन से इलाके में रहने वाले नदीम की नजदीकियां थीं। इसे लेकर रिजवान नाराज था। तीन जनवरी की दोपहर करीब 1:15 बजे शिया मस्जिद के पास रिजवान ने अपने दोस्तों इरफान व रिहान के साथ मिलकर नदीम की पिटाई करने के बाद चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पिंदवाड़ा स्टेशन पर गरीबरथ एक्सप्रेस का अस्थायी ठहराव

नई दिल्ली। यात्रियों की सुविधा के लिए सराय रोहिल्ला से बांद्रा के बीच चलने वाली गरीबरथ एक्सप्रेस को पिंदवाड़ा स्टेशन पर दो मिनट का अस्थायी ठहराव दिया गया है।सराय रोहिल्ला से जाते समय गाड़ी संख्या 12215 पिंदवाड़ा पर शाम 7.21 बजे(10 जनवरी) पहुंचेगी और 7.23 पर चलेगी। बांद्रा से आते समय यह गाड़ी पिंदवाड़ा स्टेशन पर रात 11.53 बजे (9 जनवरी) पहुंचेगी और 11.55 बजे वहां से चलेगी।

होटलों में आग से बचने की कार्ययोजना बनाएं : कोर्ट

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने बुधवार को अफसरों से कहा कि वे दिल्ली के होटलों, क्लबों और रेस्टोरेंट में आग और दूसरी घटनाओं से बचने के लिए सुरक्षा उपाय करने के लिए एक कार्ययोजना बनाएं। मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता अधिकारियों से संपर्क किए बिना अदालत आया है। उससे अफसरों को एक अर्जी देने को कहा गया है। पीठ ने अफसरों से कहा कि वे दिल्ली के होटलों, क्लबों और रेस्टोरेंट का फायर सुरक्षा समेत सुरक्षा ऑडिट कराने की मांग वाली अर्जी को प्रतिनिधित्व के तौर पर मानें। पीठ ने कहा कि वह याचिका का निपटारा इस निर्देश के साथ करती है कि अधिकारी इसे एक याचिकाकर्ता की अर्जी के तौर पर स्वीकार करे। याचिका में दिल्ली सरकार, नगर निगम और नई दिल्ली नगर परिषद को प्रतिवादी बनाया गया है। पीठ अधिवक्ता अर्पित भार्गव की एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। दिसंबर 2025 में गोवा में नाइट क्लब में आग लगने की घटना का जिक्र करते हुए याचिका में कहा गया कि दिल्ली में ऐसी कई स्थाना हैं जो कानून तोड़कर चल रही हैं।

आबकारी घोटाले के आरोपी को विदेश जाने की छूट

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी घोटाले के आरोपी गौतम मल्होत्रा को राउज एवेन्यू कोर्ट ने विदेश जाने की अनुमति दे दी है। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह की अदालत ने गौतम को 15 जनवरी तक दुबई जाने की अनुमति दी है। कोर्ट ने गौतम को 25 लाख रुपये की एफडी जमानत के तौर पर जमा करने का निर्देश दिया है। साथ ही उसे अपनी यात्रा का पूरा विवरण और ठहरने के स्थान का विवरण दाखिल करने का भी निर्देश दिया है। मल्होत्रा ने अपने बेटे का दाखिला कराने के लिए उसके साथ दुबई जाने की अनुमति देने की मांग की थी। कोर्ट ने कहा कि आरोपी को 2023 में ही जमानत मिल चुकी है और कोर्ट इसके पहले भी याचिकाकर्ता को विदेश जाने की अनुमति दे चुका है। इस दौरान याचिकाकर्ता ने जमानत की शर्तों का उल्लंघन नहीं किया।

दिल्ली दंगा मामले के चार आरोपियों का रिहाई आदेश जारी

नई दिल्ली। कड़कड़डूमा कोर्ट ने वर्ष 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत पाने वाले चार आरोपियों की रिहाई के आदेश बुधवार को जारी कर दिए। कोर्ट ने कहा कि आरोपियों ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई सभी शर्तें पूरी कर दी हैं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बजाज की अदालत ने गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान और मोहम्मद सलीम खान की ओर से दाखिल दो-दो लाख रुपये के निजी मुचलकों और समान राशि के दो स्थानीय जमानतदारों को स्वीकार करते हुए उनकी रिहाई के आदेश जारी किए। वहीं, जमानत पाने वाला पांचवां आरोपी शादाब अहमद अदालत में पेश नहीं हुआ। उसने जमानत बॉन्ड भी दाखिल नहीं किया है।

दिल्ली विस में नहीं मिली सस्पेंड 'आप' विधायकों को एंट्री

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान तीन दिन के लिए आम आदमी पार्टी के चार विधायकों के बुधवार को विधानसभा परिसर में जाने पर हंगामा हो गया। आम आदमी पार्टी के विधायकों को पुलिसकर्मियों ने विधानसभा परिसर में घुसने नहीं दिया। सस्पेंड विधायकों ने इस कदम पर भाजपा के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार की कड़ी आलोचना की और आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी संविधान को कमजोर कर रही है।

आप विधायक कुलदीप कुमार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी नहीं चाहती कि सदन चले। उन्होंने हमें सदन से सस्पेंड कर दिया। हमें इसका कारण भी नहीं बताया गया। अब आप एक विधायक को तीन दिनों के लिए सस्पेंड कर रहे हैं। आप मुझे कहीं भी जाने या परिसर में प्रवेश करने से कैसे रोक सकते हैं? यह असंवैधानिक है। उन्होंने आगे कहा कि हम कह रहे हैं कि हम तीन दिनों तक कार्यवाही में शामिल नहीं होंगे, भले ही यह सदन की परंपराओं के खिलाफ हो, लेकिन फिर भी हमें हमारे कार्यालयों में जाने से भी रोका जा रहा है। जरनैल सिंह ने भी स्थिति की तुलना तानाशाही शासन से की। उन्होंने कहा जो लोग ब्रिटिश शासन की तानाशाही, मुगल काल का युग देखना चाहते हैं या पुराने समय में वापस जाना चाहते हैं, वे आज दिल्ली विधानसभा के बाहर आकर इस तानाशाही को देख सकते हैं। चुने हुए विधायकों को विधानसभा के बाहर सड़क पर बैरिकेड लगाकर रोका जा रहा है। हमें तीन दिनों के लिए सदन की कार्यवाही में शामिल होने से रोक दिया गया था, लेकिन बिना किसी आदेश के हमारे वाहनों को रोका जा रहा है। उन्होंने आगे दावा किया कि अधिकारियों की ओर से सस्पेंशन आदेश दिखाने के बाद भी इसमें विधानसभा कार्यालयों में उनके प्रवेश पर कोई प्रतिबंध नहीं था।

दिल्ली सरकार ने पेयजल में प्रदूषण को रोकने के लिए सख्त निगरानी के दिए आदेश

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में पेयजल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) को शहर की जलापूर्ति प्रणाली के निरीक्षण और निगरानी को तेज करने के सख्त निर्देश जारी किए हैं।

आधिकारिक निर्देश के अनुसार, डीजेबी को प्रदूषण की किसी भी संभावना को रोकने के लिए तत्काल और निरंतर उपाय करने का निर्देश दिया गया है, विशेष रूप से उन संवेदनशील क्षेत्रों में जहां पानी की पाइपलाइनें, सीवर लाइनों के करीब हैं। आदेश में कहा गया है कि दिल्ली जल बोर्ड स्थापित मानदंडों के अनुसार जल आपूर्ति पाइपलाइनों का नियमित निरीक्षण कर रहा है और जल गुणवत्ता की निगरानी कर रहा है। इस मुद्दे की गंभीरता पर जोर देते हुए हालांकि मंत्री ने अधिकारियों को जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के प्रयासों को बढ़ाने का निर्देश दिया। प्रमुख निर्देशों में से एक यह है कि दिल्ली जल बोर्ड को सभी जल आपूर्ति पाइपलाइनों का नियमित निरीक्षण तेज करना होगा, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां पेयजल लाइनें सीवर लाइनों के पास बिछी हैं, ताकि किसी भी रिसाव, क्षति या पानी दूषित के संभावित बिंदुओं का तुरंत पता लगाकर उनकी मरम्मत की जा सके।

मंत्री ने उपचार संयंत्रों से लेकर वितरण क्षेत्रों और उपभोक्ता केंद्रों तक, सभी स्तरों पर निर्धारित मानकों के अनुसार बार-बार नमूने लेकर और परीक्षण करके जल गुणवत्ता निगरानी को मजबूत करने का भी आदेश दिया है।

जनता की शिकायतों का शीघ्र निपटान अनिवार्य कर दिया गया है। निर्देश के अनुसार, बोर्ड के अधिकारियों को जल गुणवत्ता, गंध, स्वाद या रंग परिवर्तन से संबंधित जनता की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी, जिसमें मौके पर जाकर सत्यापन और सुधारात्मक कार्रवाई जल्द से जल्द करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, पाइपलाइन नेटवर्क के कमजोर या पुराने हिस्सों की पहचान करने के लिए आवधिक बुनियादी ढांचा ऑडिट का आदेश दिया गया है, ताकि पीने योग्य पानी की आपूर्ति में अनुपचारित या बाहरी दूषित पदार्थों के मिश्रण को रोकने के लिए प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत या प्रतिस्थापन किया जा सके।

आदेश में उच्च घनत्व वाले और संवेदनशील क्षेत्रों में 24 घंटे निगरानी और रखरखाव के लिए समर्पित टीमों की तैनाती का भी आह्वान किया गया है। उन्होंने निर्देश दिया कि इन कार्रवाइयों को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाना चाहिए और इनकी कड़ी निगरानी की जानी चाहिए। इसमें यह भी जोड़ा गया है कि दिल्ली जल बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्वयं निरीक्षण, शिकायत निवारण और जल गुणवत्ता परीक्षण परिणामों की समीक्षा करेंगे। यह कदम शहर के कई हिस्सों में जल गुणवत्ता को लेकर बढ़ती सार्वजनिक चिंताओं के बीच उठाया गया है।

हत्या के मामले में 25 साल से फरार व्यक्ति गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 25 साल से फरार चल रहे पत्नी की हत्या के दोषी और पैरोल जंपर को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान योगिंदर उर्फ जोगिंदर सिंह (58) के रूप में हुई है, जो वर्ष 1992 में अपनी पत्नी की गला घोंटकर हत्या करने के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा था।

पुलिस के अनुसार योगिंदर वर्ष 2000 में चार सप्ताह की पैरोल पर रिहा हुआ था, लेकिन इसके बाद जेल वापस नहीं लौटा और लगातार पहचान बदलकर देश के विभिन्न राज्यों में छिपता रहा। आरोपित ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अपना नाम, पिता का नाम और पता तक बदल लिया था। वह पिछले कई वर्षों से पंजाब के लुधियाना में नई पहचान के साथ रह रहा था। पुलिस अधिकारी के अनुसार 15 मार्च 1992 को दिल्ली के तत्कालीन थाना विनय नगर (अब

सरोजिनी नगर) क्षेत्र के गांव पिल्लंगी में आरोपित द्वारा पत्नी की हत्या की सूचना मिली थी। मौके से महिला का शव बरामद हुआ था, जिसके शरीर पर चोट के निशान थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण मैनुअल स्ट्रैंगुलेशन यानी गला घोंटना पाया गया। मामले में आरोपित को गिरफ्तार कर 1997 में पटियाला हाउस कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि 03 जून 2000 को आरोपित को दिल्ली उच्च न्यायालय से चार सप्ताह की पैरोल मिली थी, लेकिन उसने आत्मसमर्पण नहीं किया। वर्ष 2010 में उसकी अपील खारिज कर दी गई और अदालत ने उसे घोषित अपराधी भी करार दिया। वहीं जांच में सामने आया है कि पैरोल जंप करने के बाद आरोपित हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार और कर्नाटक में अलग-अलग समय तक रहा। वर्ष 2012 में वह लुधियाना में बस गया, जहां उसने नया आधार कार्ड और वोटर आईडी बनवाकर बढ़ई के रूप में काम करना शुरू कर दिया। क्राइम ब्रांच की टीम को गुप्त सूचना मिली, जिसके बाद तकनीकी निगरानी और मानवीय खुफिया जानकारी के आधार पर आरोपित को ट्रैक किया गया। टीम ने लुधियाना में 10 दिनों तक डेरा डालकर निगरानी की और 5 जनवरी 2026 को साउथ सिटी इलाके से आरोपित को दबोच लिया। पुलिस को देखते ही आरोपित मोटरसाइकिल से भागने लगा, लेकिन पीछा कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

अगस्त क्रांति मार्ग पर तेज रफ्तार का कहर, कार चालक गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के सिरी फोर्ट क्षेत्र में तेज रफ्तार एक बार फिर जानलेवा साबित हुई। अगस्त क्रांति मार्ग पर तड़के हुए सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसा उस समय हुआ जब पंचशील फ्लाईओवर से आ रही एक कार ने बलबीर सक्सेना मार्ग की ओर मुड़ रही कार को टक्कर मार दी। सूचना मिलते ही पुलिस और पीसीआर टीम मौके पर पहुंची और घायलों को एम्स ट्रॉमा सेंटर भेजा गया।

अस्पताल पहुंचने पर दो घायलों को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि तीसरे की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने हादसे के आरोपित चालक की पहचान 21 वर्षीय कृष्णांश कपूर के रूप में की है, जो उदय पार्क का रहने वाला बताया गया है।

हाईकोर्ट ने ई-रिक्शा नियमों पर सरकार से जवाब मांगा

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने राजधानी में ई-रिक्शा संचालन को लेकर गंभीर रुख अपनाते हुए बुधवार को दिल्ली सरकार, परिवहन विभाग, ट्रैफिक पुलिस और एमसीडी से जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ मनीष पाराशर द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है। याचिका में ई-रिक्शा के अनियंत्रित संचालन को आमजन की सुरक्षा के लिए खतरा बताया गया है। याचिकाकर्ता के अनुसार, पिछले वर्ष एक सड़क दुर्घटना में उनकी आठ वर्षीय बेटी की मौत हो गई थी। बच्ची ई-रिक्शा से स्कूल जा रही थी, तभी तेज रफ्तार ई-रिक्शा पलट गया। याचिका में कहा गया कि संबंधित ई-रिक्शा का न तो बीमा था और न ही वह वैध रूप से उस सड़क पर चलने की अनुमति रखता था। पीठ ने सभी संबंधित विभागों को नोटिस जारी कर ई-रिक्शा संचालन से जुड़े नियमों और अब तक उठाए गए कदमों की जानकारी मांगी है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 18 मार्च तय करते हुए निर्देश दिया कि सभी प्रतिवादी शपथपत्र के साथ जवाब दाखिल करें। याचिका में ट्रैफिक पुलिस के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया गया कि 1 जनवरी से 20 अगस्त 2025 के बीच ई-रिक्शा से जुड़ी 108 दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 26 लोगों की मौत और 130 लोग घायल हुए।

वीएमएमसी एवं सफदरजंग अस्पताल में 'उमंग वाटिका' की शुरुआत

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज (वीएमएमसी) एवं सफदरजंग अस्पताल में बुधवार को "उमंग वाटिका- सेंसरी गार्डन" की शुरुआत की गई। यह उत्तर भारत में किसी सरकारी संस्थान में अपनी तरह का पहला सेंसरी गार्डन है।

इस पहल का उद्देश्य न्यूरो-डेवलपमेंटल आवश्यकताओं वाले बच्चों में संवेदी उत्तेजना, भावनात्मक कल्याण एवं समग्र विकास को बढ़ावा देना है। वीएमएमसी एवं सफदरजंग अस्पताल के निदेशक डॉ. (प्रो.) संदीप बंसल ने कहा कि उमंग वाटिका-सेंसरी गार्डन का उद्घाटन वीएमएमसी एवं सफदरजंग अस्पताल के लिए गर्व और अत्यंत सार्थक क्षण है। उत्तर भारत में किसी सरकारी संस्थान में अपनी तरह का पहला सेंसरी गार्डन होना समावेशी एवं बाल-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा के प्रति हमारी

प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अस्पतालों का दायित्व केवल शारीरिक उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि विशेष रूप से न्यूरो-डेवलपमेंटल चुनौतियों वाले बच्चों के भावनात्मक एवं मनोवैज्ञानिक कल्याण को भी देखना है। उन्होंने कहा कि उमंग वाटिका को एक उपचारात्मक एवं प्रेरक वातावरण के रूप में सोच-समझकर डिज़ाइन किया गया है, जो संवेदी एकीकरण, भावनात्मक संतुलन तथा समग्र विकास में सहायक है।

ऐसे स्थान चिकित्सा उपचार और पुनर्वास को प्रभावी रूप से पूरक बनाते हैं। उन्होंने मीडिया को बताया कि उमंग वाटिका परियोजना सार्वजनिक–निजी भागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह सेंसरी गार्डन अस्पताल में आने वाले बच्चों के लिए थेरेपी, पुनर्वास और भावनात्मक संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, साथ ही समावेशी और मानवीय स्वास्थ्य सेवा के प्रति वीएमएमसी एवं एसजेएच की सतत प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करेगा। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. चारु बाम्बा, वीएमएमसी की प्राचार्य डॉ. गीतिका खन्ना, बाल रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप देबता, एएमएस डॉ. रेखा तिर्की, डॉ. तिलक राज, डॉ. आर. पी. सैनी, अशोक पाल (डीडीए) कैलाश पाल (ओएनएस); सीएसआर टीम तथा डॉ. रचना सहगल, प्रभारी, पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी डिवीजन सहित संकाय सदस्य एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। उमंग वाटिका प्रभावी सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) का सशक्त उदाहरण है जिसकी परिकल्पना एवं क्रियान्वयन आस्था संस्था ने की। वित्तीय साझेदारी आर स्क्वेयर्ड फाउंडेशन की रही, कार्यान्वयन सीपीडब्ल्यू एवं एसजेएच द्वारा किया गया तथा डिज़ाइन संबंधी सुझाव किलीकिली द्वारा प्रदान किए गए। वीएमएमसी एवं सफदरजंग का पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी डिवीजन इस पहल का रणनीतिक समन्वयक रहा।

संपादकीय

तुर्कमान गेट पर बवाल का औचित्य

दिल्ली के तुर्कमान गेट इलाके में अतिक्रमण हटाने के दौरान हुई हिंसक झड़प के पीछे की कहानी कई महीनों से अदालतों और सरकारी फाइलों में चल रही थी। इस कार्रवाई के लिए हमें कुछ पीछे जाना पड़ेगा। दिल्ली में लाल किला ब्लास्ट के बाद सैयद फैज इलाही मस्जिद भी नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के निशाने पर आई थी। उस समय एजेंसी को यह जानकारी मिली थी कि ब्लास्ट का मुख्य आरोपी डॉ. उमर उल नबी की गतिविधियां इस मस्जिद के आसपास के ठिकानों से जुड़ी हुई पाई गई थीं। जिसके बाद मस्जिद के आसपास का इलाका एजेंसी के रडार पर आ गया था। हाल ही में दिल्ली हाई कोर्ट ने तुर्कमान गेट स्थित रामलीला मैदान के पास करीब 39,000 वर्ग फुट जमीन से अतिक्रमण हटाने का आदेश जारी किया था। आदेश में हाई कोर्ट ने दिल्ली म्युनिसिपल कारपोरेशन और पीडब्ल्यूडी को इलाके में बनी सड़क, फुटपाथ, बैंक्वेट हॉल, पार्किंग व प्राइवेट डायग्नोस्टिक सेंटर, जैसी संरचनाएं हटाने का आदेश दिया। जिसके बाद मंगलवार की आधी रात को भारी पुलिस बंदोबस्त के साथ अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई। नगर निगम की कार्रवाई के दौरान हालात उस वक्त बेकाबू हो गए जब स्थानीय लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। इस झड़प में 5 पुलिसकर्मी घायल हो गए, पुलिस को आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा और अब तक 5 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। इससे पहले मस्जिद प्रबंध समिति ने आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी। दावा किया कि यह जमीन नोटिफाइड वक्फ प्रॉपर्टी है और इस पर सिर्फ वक्फ ट्रिब्यूनल का अधिकार है। कहा गया कि वे वक्फ बोर्ड को लीज रेंट भी देते रहे हैं। समिति ने बताया कि बैंक्वेट हॉल और क्लीनिक पहले ही बंद कर दिए गए हैं, आपत्ति सिर्फ कब्रिस्तान को लेकर है। एमसीडी ने कोर्ट में कहा कि सिर्फ 0.195 एकड़ जमीन ही 1940 में मस्जिद के लिए लीज पर दी गई थी। मस्जिद से सटी बाकी जमीन पर कब्जे के कोई वैध दस्तावेज नहीं हैं। दिसंबर में एमसीडी ने घोषणा की कि 0.195 एकड़ से बाहर मौजूद सभी ढांचे अवैध हैं और उन्हें गिराया जाएगा। जब एमसीडी अधिकारी अतिक्रमित जमीन को मार्क करने पहुंचे, तब भी स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू किया था। उस दौरान भी हालात बिगड़ते देख इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। विध्वंस अभियान से पहले, शांति बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के उद्देश्य से अमन समिति के सदस्यों और अन्य स्थानीय हितधारकों के साथ कई समन्वय बैठकें आयोजित की गई थी। गौरतलब है कि न्यायालय के निर्देशों के अनुसार हो कानूनी दायरे में रहकर हो रही कार्रवाई को रोकना या उसमें अवरोध उत्पन्न करना निसंदेह गलत है। इस कार्रवाई के विरोध की आड़ में कुछ आपराधिक और शरारती तत्वों द्वारा की गई हिंसा भी निंदनीय है। जिसे सभ्य समाज में किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। न्यायालय के आदेशों का पालन सुनिश्चित करना पुलिस और प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और सार्वजनिक व्यवस्था भंग करने वालों के साथ सख़्ती से निपटना भी।

बदली सोच, उभरी शक्ति

विश्व पटल पर बालिकाओं का नवयुगः

भारत में यह संघर्ष और भी जटिल रहा है। कम शिक्षा, रूढ़िवादी पितृसत्तात्मक सोच, अंधविश्वास और सामाजिक भ्रांतियों ने लंबे समय तक बालिकाओं के अस्तित्व पर संकट बनाए रखा। लेकिन हाल के वर्षों में स्थिति में उल्लेखनीय सुधार दिखता है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार, भारत में बेटों की चाहत 1999 के 33 प्रतिशत से घटकर अब 15 प्रतिशत रह गई है। यह गिरावट केवल सांख्यिकीय नहीं, बल्कि मानसिकता में आए बदलाव का संकेत है। फिर भी, 15 प्रतिशत भी कम नहीं क्योंकि इसका सीधा असर लिंगानुपात पर पड़ता है। आज देश में लिंगानुपात 1000 लड़कों पर 943 लड़कियों का है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार जन्म के समय लड़के-लड़कियों का प्राकृतिक अनुपात लगभग 105: 100 होता है, जो पाँच वर्ष की आयु तक बराबर हो जाना चाहिए। यदि पाँच साल के बाद भी 1000 लड़कों पर 57 लड़कियाँ कम हैं, तो स्पष्ट है कि प्रकृति नहीं, समाज हस्तक्षेप कर रहा है। 57 बड़ा अंतर है। सुधार की जो गति चल रही है, उस हिसाब से इस अंतर को पाटने में पच्चीस साल से ज्यादा लग जाएंगे। ये बच्चियां दुनिया में कदम रखें और अच्छी तरह से खुशगवार जिंदगी जिएं, इसके लिए उन्हें बचाने के उपाय, उनकी व्यापकता और गति सब बढ़ाने होंगे।

-ललित गर्ग-

एक समय था जब दुनिया के बड़े हिस्से में बेटी का जन्म बोझ समझा जाता था। गर्भ में ही उसके जीवन का अंत कर दिया जाता, या जन्म के बाद भेदभाव, उपेक्षा और वंचना उसका भाग्य बनती। सदियों तक चली इस दकियानूसी एवं पुरानपंथी सोच ने समाज, सभ्यता और प्रकृति-तीनों को गहरे घाव दिए। किंतु आज उसी दुनिया में सोच के स्तर पर एक निर्णायक मोड़ दिखाई दे रहा है, एक नयी सोच का उदय हो रहा है। गैलप इंटरनेशनल जैसे वैश्विक सर्वे यह संकेत देते हैं कि 44 देशों में माता-पिता की बड़ी संख्या अब संतान के लिंग को लेकर उदासीन हो रही है, उन्हें फर्क नहीं पड़ता कि बच्चा लड़का है या लड़की। यह बदलाव केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि मानव चेतना में घटित एक ऐतिहासिक परिवर्तन है। बालिकाओं को लेकर बदल रही यह सोच मानवीयता का दर्शन करा रही है। यह सच है कि तस्वीर का एक पक्ष उजला है तो दूसरा अब भी चिंताजनक। पिछले 25 वर्षों में दुनिया ने लगभग 70 लाख बच्चियों को बचाया है, यह मानवीय प्रगति का बड़ा प्रमाण है। परंतु यह भी उतना ही कड़वा सत्य है कि आज भी हर साल दस लाख से अधिक बच्चियां गर्भ में ही खत्म कर दी जाती हैं और बीते 45 वर्षों में यह संख्या पाँच करोड़ से अधिक रही है। यानी लड़का-लड़की के भेद का राक्षस अभी पूरी तरह पराजित नहीं हुआ है। इसके बावजूद, उम्मीद की किरण इसलिए प्रबल है क्योंकि अब यह भेद सामाजिक स्वीकृति खो रहा है, और यही किसी भी क्रांति की सबसे ठोस बुनियाद होती है।

भारत में यह संघर्ष और भी जटिल रहा है। कम शिक्षा, रूढ़िवादी पितृसत्तात्मक सोच, अंधविश्वास और सामाजिक भ्रांतियों ने लंबे समय तक बालिकाओं के अस्तित्व पर संकट बनाए रखा। लेकिन हाल के वर्षों में स्थिति में उल्लेखनीय सुधार दिखता है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार, भारत में बेटों की चाहत 1999 के 33 प्रतिशत से घटकर अब 15 प्रतिशत रह गई है। यह गिरावट केवल सांख्यिकीय नहीं, बल्कि मानसिकता में आए बदलाव का संकेत है। फिर भी, 15 प्रतिशत भी कम नहीं क्योंकि इसका सीधा असर लिंगानुपात पर पड़ता है। आज देश में लिंगानुपात 1000 लड़कों पर 943 लड़कियों का है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार जन्म के समय लड़के-लड़कियों का प्राकृतिक अनुपात लगभग 105: 100 होता है, जो पाँच वर्ष की आयु तक बराबर हो जाना चाहिए। यदि पाँच साल के बाद भी 1000 लड़कों पर 57 लड़कियाँ कम हैं, तो स्पष्ट है कि प्रकृति नहीं, समाज हस्तक्षेप कर रहा है। 57 बड़ा अंतर है। सुधार की जो गति चल रही है, उस हिसाब से इस अंतर को पाटने में पच्चीस साल से ज्यादा लग जाएंगे। ये बच्चियां दुनिया में कदम रखें और अच्छी तरह से खुशगवार जिंदगी जिएं, इसके लिए उन्हें बचाने के उपाय, उनकी व्यापकता और गति सब बढ़ाने होंगे। सृष्टि के संतुलन के लिए भी यह जरूरी है। समाज की विडम्बनापूर्ण सोच ही वह "बाहरी शक्ति" है-भेदभाव, उपेक्षा, असमान पोषण, स्वास्थ्य और अवसर जो संतुलन को बिगाड़ रही है। मौजूदा सुधार की गति से इस अंतर को पाटने में पच्चीस वर्ष से अधिक लग सकते हैं। इसलिए उपायों की व्यापकता और गति दोनों को बढ़ाना अनिवार्य है।

इस बदलाव के पीछे शिक्षा सबसे बड़ा कारक बनकर उभरी है। जब-जब लड़कियों को शिक्षा के समान अवसर मिले, उन्होंने न केवल अपनी क्षमताएँ सिद्ध कीं, बल्कि समाज की दिशा भी बदली। भारत सहित कई देशों में बालिका शिक्षा, छात्रवृत्ति, डिजिटल साक्षरता, कौशल विकास और स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं ने लड़कियों के जीवन-पथ को नया आयाम दिया है। आज ग्रामीण क्षेत्रों तक स्कूल नामांकन में बालिकाओं की भागीदारी बढ़ी है, उच्च शिक्षा में उनकी उपस्थिति मजबूत हुई है और विज्ञान, तकनीक, खेल, प्रशासन तथा उद्यमिता-हर क्षेत्र में वे अपनी पहचान बना रही हैं। महत्वपूर्ण यह भी है कि अब नीतियाँ केवल संरक्षण तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि सशक्तिकरण की ओर बढ़ी हैं। शिक्षा के साथ-साथ पोषण, मातृत्व स्वास्थ्य, सुरक्षित परिवहन, डिजिटल पहुँच और नेतृत्व प्रशिक्षण, इन सभी ने मिलकर बालिकाओं के आत्मविश्वास को पंख दिए हैं। यह समग्र दृष्टि ही भविष्य की महिलाओं को "सहायता पाने वाली" नहीं, बल्कि "निर्णय लेने वाली" बनाती है।

दुनिया के कई देशों में महिलाएँ अब राजनीति, प्रशासन और कॉरपोरेट नेतृत्व में अग्रिम पंक्ति में हैं। वे राष्ट्राध्यक्ष हैं, सेनाओं का नेतृत्व कर रही हैं, वैज्ञानिक खोजों की अगुआई कर रही हैं और वैश्विक संस्थानों में नीति-निर्धारण का हिस्सा हैं। यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर प्रतिभा लिंग नहीं देखती। गैलप इंटरनेशनल के सर्वे में उभरी उदासीनता कि संतान का लिंग मायने नहीं रखता, दरअसल इसी विश्वास का सामाजिक विस्तार है कि लड़कियाँ भी उतनी ही सक्षम हैं। पहली बार दुनिया के स्तर पर बालिकाओं को लेकर एक सकारात्मक परिदृश्य उभरा है, इन बालिकाओं को लेकर बदली सोच एवं उभरी शक्ति के परिदृश्यों के बीच यह समय बालिकाओं-महिलाओं पर हो रहे अपराध, शोषण, बलात्कार, भेदभाव के त्रासद एवं क्रूर स्थितियों पर आत्म-मंथन करने का है, क्योंकि बालिकाओं एवं महिलाओं के समावेश, न्याय व सुरक्षा की स्थिति को बताने वाले वैश्विक शांति व सुरक्षा सूचकांक के 177 देशों में भारत का 128वां स्थान है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के विरुद्ध अपराध में राष्ट्रीय औसत 66.4 है। राजधानी दिल्ली का स्थान 144.4 अंकों के साथ सर्वोच्च है।

माना जाता है कि 90 प्रतिशत यौन उत्पीड़न जान-पहचान के व्यक्ति ही करते हैं। यानी बालिकाएं अपने ही घर या परिचितों के बीच सबसे ज्यादा असुरक्षित है। कानून और योजनाएँ आवश्यक हैं, पर पर्याप्त नहीं। असली परिवर्तन संस्कृति में होता है-घर के भीतर, भाषा में, परंपराओं में। जब परिवार बेटी के जन्म को उत्सव मानता है, उसकी शिक्षा में निवेश करता है, उसे निर्णयों में भागीदार बनाता है-तभी लिंगानुपात के आँकड़े स्थायी रूप से सुधरते हैं। मीडिया, साहित्य और सिनेमा की भूमिका भी यहाँ निर्णायक है; वे या तो रूढ़ियों को पोषित करते हैं या नई दृष्टि गढ़ते हैं। आज सकारात्मक प्रस्तुतियाँ बढ़ रही हैं, जो लड़कियों को आत्मनिर्भर, साहसी और नेतृत्वकारी रूप में दिखाती हैं यह सांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शुरुआत का लक्ष्य भी बालिका लिंग अनुपात में गिरावट के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करना है।

भविष्य की दिशा स्पष्ट है-समानता केवल अधिकारों की सूची नहीं, बल्कि अवसरों की वास्तविक उपलब्धता है। बालिकाओं को बचाना पहला कदम था; अब उन्हें बढ़ने, उड़ने और नेतृत्व करने देना अगला चरण है। स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा के साथ-साथ रोजगार, संपत्ति अधिकार, डिजिटल अवसर और निर्णय-निर्माण में हिस्सेदारी-ये सभी समानता के स्तंभ हैं। यदि इन पर निरंतर और समन्वित कार्य हुआ, तो आने वाले वर्षों में लिंगानुपात केवल सुधरेगा ही नहीं, बल्कि समाज अधिक संतुलित, संवेदनशील और उत्पादक बनेगा। एक समय था जब बालिका को कोख में ही समाप्त कर दिया जाता था; आज वही दुनिया उसके जन्म पर प्रसन्नता व्यक्त कर रही है। यह बदलाव अधूरा है, पर निर्णायक है। भारत में बेटों की चाहत का घटता ग्राफ, दुनिया भर में लिंग-उदासीनता की बढ़ती प्रवृत्ति और महिलाओं के लिए विस्तृत होती शिक्षा-सशक्तिकरण योजनाएँ-सब मिलकर संकेत देते हैं कि आने वाला समय वास्तव में महिलाओं का समय है। यदि यह गति बनी रही, तो देश की बालिकाएँ न केवल अपना परचम फहराएँगी, बल्कि मानव सभ्यता को अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित दिशा भी देंगी। यही सृष्टि का स्वाभाविक और आवश्यक संतुलन है।

विश्व कानून को ताक पर रखकर अमेरिका की अराजकता

-मनोज कुमार अग्रवाल-

इसे अराजकता कहें या गुंडई वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी इस बात की तस्दीक करती है कैसे विश्व की हथियारों से लैस महाशक्तियां सिर्फ अपने निजी हितों के लिए नैतिकता को ताक पर रख कर अंतरराष्ट्रीय नियम कायदों को धता बताती है और कमजोर देश का गला दबा कर उसे अपना ओपनिवेश बनाने का प्रयास करते हैं। वेनेजुएला के प्राकृतिक संसाधनों तेल के बड़े भंडार पर अमेरिकी प्रभुत्व की लालसा, कमजोर देशों पर उसकी दादागिरी को उजागर किया है। वेनेजुएला संकट, एक तरह से तमाम अंतरराष्ट्रीय न्याय का हनन और पावर का मनमाना दुरुपयोग है।

अमेरिका लंबे समय से दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला को सबक सिखाना चाहता था, क्योंकि वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो उसके सामने झुकने को तैयार नहीं थे। मादुरो पर अमेरिका में ड्रग का धंधा या नार्को टेररिज्म बढ़ाने का आरोप लगाकर ट्रंप ने वेनेजुएला की राजधानी काराकास सहित कई शहरों पर हवाई हमला करवाया। अमेरिकी फौज ने मादुरो व उनकी पत्नी को आधी रात में घसीटकर बाहर निकाला और गिरफ्तार किया, वह उन्हें न्यूयॉर्क ले जाएगी, जहां उन पर नशे के व्यापार पर केस चलेगा और सजा होगी। ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला में फिलहाल अमेरिका ही सत्ता संभालेगा। इसी तरह 3 दशक पूर्व अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रोगन ने अपने देश में नशे का कारोबार फैलाने के आरोप में पनामा के राष्ट्रपति नरेगा को गिरफ्तार कर उम्रकैद की सजा दी थी।

अमेरिकी सीक्रेट एजेंट पनामा से नरेगा को पकड़कर अमेरिका लाए थे। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दिखा दिया कि वह भी इतने शक्तिसंपन्न हैं कि किसी देश के राष्ट्रपति को भी मुश्कें बांधकर अपने यहां ला सकते हैं। अब डर है कि कहीं वह मेक्सिको पर भी ऐसी कार्रवाई न करें क्योंकि वहां से बड़ी तादाद में अवैध प्रवासी अमेरिका में घुसपैठ करते हैं। ट्रंप ने पिछली बार मेक्सिको बॉर्डर पर ऊंची दीवार बनाने की बात कही थी। इसी प्रकार डेनमार्क की नाराजगी की परवाह न करते हुए ट्रंप ग्रीनलैंड पर भी कब्जा कर सकते हैं। अमेरिका ने इराक पर हमला करने के लिए सद्दाम हुसैन पर आरोप लगाया था कि वह केमिकल व बायोलॉजिकल शस्त्र बना रहे हैं। सद्दाम का सफाया कर दिया गया, लेकिन ऐसा कोई शस्त्र वहां नहीं पाया गया। अमेरिका ने ईरान की

तेल कंपनियों पर अपना कब्जाबरकरार रखने के लिए वहां के लोकप्रिय प्रधानमंत्री मुसद्दिक की हत्या करवाई थी और ईरान के शाह रजा पहलवी को वहां का शासन सौंपा था। ब्रिटेन की आयरन लेडी कहलाने वाली तत्कालीन प्रधानमंत्री मारग्रेट चैचर ने अपने देश से बहुत दूर फाकलैंड द्वीप पर कब्जा दिखाने के लिए अर्जेंटीना से युद्ध किया था। इस वॉर में ब्रिटेन के काफी संसाधन खर्च हुए थे। ऐसी ही अकड़ के चलते रूस-यूक्रेन युद्ध लगातार जारी है। रूस ने यूक्रेन पर आरोप लगाया कि उसने पुतिन के मास्को स्थित सरकारी निवास पर हवाई हमला किया। जब रूस की वायुरक्षा प्रणाली इतनी मजबूत है तो वहां यूक्रेन का मिसाइल या ड्रोन कैसे आ सकता है? असली बात यह है कि हमले का बहाना खोजने के लिए मनमाने आरोप लगाए जाते हैं। वैश्वीकरण की गति को धीमा करने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने भारत सहित विश्व के अन्य देशों पर टैरिफ लगाकर व्यापार युद्ध को स्थिति पैदा कर दी। ट्रंप प्रशासन उन अनेक बहुपक्षीय संस्थाओं की या तो फंडिंग कम कर रहा है या उनसे बाहर निकलने की धमकियां देकर उनकी भूमिका को कमजोर करने का प्रयास कर रहा है, जो कथित तौर पर अमेरिका के हित में कार्य नहीं कर रही हैं। उनकी इस नीति का असर केवल बाहरी दुनिया तक सीमित नहीं है, बल्कि अमेरिका के भीतर भी इसका व्यापक आर्थिक और सामाजिक प्रभाव पड़ रहा है।

व्यापार युद्ध ने न केवल विदेशी व्यापार को झटका दिया है, बल्कि अमेरिका के घरेलू बाजार में मूल्य वृद्धि को भी बढ़ावा दिया है। अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ के प्रतिरोध में अन्य देशों द्वारा लगाए जाने वाले जवाबी टैरिफ से अमेरिकी उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति प्रभावित हो रही है। अमेरिका में न सिर्फ रोजमर्रा की वस्तुएं, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, खिलौने, कपड़े, मशीनें आदि के महंगे होने से अमेरिका में मार्च 2025 के बाद से आयातित सामान की कीमतें लगभग चार प्रतिशत बढ़ी हैं, जबकि घरेलू सामान की कीमतें लगभग दो प्रतिशत बढ़ गई हैं। बढ़ती महंगाई को देखते हुए ट्रंप ने 200 से अधिक वस्तुओं पर से टैरिफ कम करने का फैसला किया है। अमेरिका में उद्योगों के लिए कच्चा माल महंगा होने से बढ़ती उत्पादन लागत से नौकरियां ही नहीं घट रही हैं, बल्कि किसानों की आय पर भी गहरा असर पड़ रहा है। चीन, कनाडा और यूरोपीय देशों द्वारा प्रतिशोध में लगाए गए टैरिफ के कारण अमेरिकी सोया और मक्का जैसी कृषि वस्तुओं की मांग घाटी है, जिससे किसानों की आय में गिरावट आने से सरकार को अरबों डालर को सब्सिडी देनी पड़ रही है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर इसके दुष्परिणाम अब स्पष्ट दिखने लगे हैं। येल विश्वविद्यालय के बजट अध्ययन केंद्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, टैरिफ और विदेशी प्रतिकारात्मक करों के कारण 2025 में अमेरिका की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर लगभग 0.9 प्रतिशत अंक कम हो रही है। टैरिफ नीतियों के कारण एक आम अमेरिकी परिवार को औसतन 3, 800 डालर तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है। वहीं पेन-वार्टन बजट माडल का विश्लेषण बताता है कि ट्रंप की व्यापारिक नीतियों के कारण अमेरिका की जीडीपी दीर्घकाल में लगभग छह प्रतिशत तक घट सकती है और मजदूरी में लगभग पांच प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। ओईसीडी ने अपनी हालिया रिपोर्ट में कहा है कि यदि टैरिफ और एकतरफा व्यापार नौतियां जारी रहीं तो 2026 तक अमेरिका की जीडीपी वृद्धि दर 1. 6 प्रतिशत तक गिर सकती है। यह गिरावट न केवल अमेरिका, बल्कि विश्व अर्थव्यवस्था के लिए भी चिंता का कारण होगी, क्योंकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था वैश्विक व्यापार का मुख्य इंजन है। आम अमेरिकी इस नीतिगत बदलाव की सबसे बड़ी कीमत चुका रहे हैं। उच्च मूल्य, घटती आय और रोजगार के अवसरों में कमी ने अमेरिकी सपने को धारणा को कमजोर किया है। ट्रंप की मनमानी नीतियों का अमेरिका में विरोध भी शुरू हो चुका है। एक हालिया सर्वेक्षण में लगभग 55 प्रतिशत अमेरिकी नागरिकों ने कहा कि ट्रंप अब एक खतरनाक तानाशाह की तरह व्यवहार कर रहे हैं। वह अपने विरोधियों को निशाना बनाने के लिए सरकारी संस्थाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। यही कारण है कि उनके नेतृत्व में अमेरिका का लोकतांत्रिक ढांचा पहले की अपेक्षा अधिक विभाजित हो गया है। हंड्स आफ और नो किंग जैसे आंदोलनों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अमेरिकी जनता अब अधिक हस्तक्षेप और केंद्रीकृत शाक्ति के विरोध में एकजुट हो हो रही है। हिचकोले खा रही अमेरिकी अर्थव्यवस्था के संदर्भ में ट्रंप की राष्ट्रवादी नीतियां और अधिक चुनौतीपूर्ण साबित हो रही हैं।

सफलता का रहस्य

एक जिज्ञासु व्यक्ति एक प्रसिद्ध चित्रकार व शिल्पकार से मिलने गया। उसने शिल्पकार की कला की खूब सराहना की और उससे पूछा, मैं जानने आया हूं कि इस कला में आप इतने निपुण कैसे हैं? मैं यह रहस्य जानना चाहता हूं। कोई तो ऐसा सिद्धांत या दर्शन होगा, जो आपको यह अनूठा काम करने के लिए प्रेरित करता होगा? शिल्पकार ने कहा, अगर तुम सचमुच जानना चाहते हो, तो तुम्हें कुछ समय यहीं रुकना पड़ेगा और जो मैं कहूं वह करना पड़ेगा। शिल्पकार ने उसे घर का काम करने में लगा दिया- सफाई करना, खाना बनाना, कपड़े धोना इत्यादि काम वह चुपचाप हफ्ते भर तक करता रहा। एक हफ्ते बाद चित्रकार उसके पास आया और बोला, ‟मुझे लगता है, जो प्रश्न लेकर तुम आए थे, उसका उत्तर मिल गया होगा और शायद मेरा वह दर्शन भी तुम सीख गए होगे। वह व्यक्ति आश्चर्यचकित होकर बोला, ‟महोदय, इतने दिनों तक मैं आपके कहने पर यहां रुका रहा और बिना कुछ कहे सारा काम करता रहा, लेकिन मेरी इन कामों में रुचि नहीं है, मुझे तो आपकी कला के बारे में जानना था, जो आपने अभी तक नहीं बताया। शिल्पकार ने कहा, ‟तुमने हर काम एक शब्द बोले बिना दत्तचित्त होकर किया न? यही तो मेरी कला और सफलता का रहस्य है। मैं तुम्हें यही बताना चाहता था।

(**कथा मर्म**: जो व्यक्ति काम को दत्तचित्त होकर चुपचाप करता है, उसे सफलता पाने से कोई नहीं रोक सकता।)

आज का इतिहास

1642 - इटली के भौतिकशास्त्री खगोल शास्त्री और विद्वान गैलीलियो गैलीले का 78 वर्ष की आयु में निधन हुआ।

1697 - स्कॉटिश छात्र थॉमस एकेनहेड ईशनिंदा के लिए अंजाम दिए जाने वाले अंतिम व्यक्ति बन गए।

1705 - जॉर्ज फ्रेडरिक हैंडल ने ₹अलमीरा₹ का पहला प्रीमियर हैम्बर्ग में किया।

1716 - डच गिरोह के नेता ₹सजकोर₹ को गिरफ्तार किया गया।

1734 - रॉयल ओपेरा हाउस, कोवेन्ट गार्डन में जॉर्ज फ्रीडरिक हान्डेल के एरियंदेंट का प्रीमियर किया गया।

1745 - ब्रिटेन, ऑस्ट्रिया, नीदरलैंड और सक्सोनी-विरोधी ने प्रशियाई क्वॉड्रपल एलायंस पर हस्ताक्षर किया।

1790 - संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन ने यूनिवर्सिटी स्टेट का पहला सम्बोधन न्यूयॉर्क शहर में दिया।

1790 - जॉर्ज वाशिंगटन ने न्यूयॉर्क शहर में संयुक्त राज्य के पहले राज्य पते की डिलीवरी की, फिर संयुक्त राज्य की अस्थायी राजधानी।

1790 - अमेरिका के प्रथम राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन ने पहली बार देश को सम्बोधित किया।

1800 - जंगली लड़का आवेरॉन दक्षिणी फ्रांस में खोजा गया।

1800 - नौवी की दूसरी लड़ाई में आर्सट्रिया ने फ्रांस को हराया।

1811 - जर्मन तट विद्रोह, संयुक्त राज्य अमेरिका के इतिहास में सबसे बड़ा दास विद्रोह, लुइसियाना में हुआ था।

1815 - जनरल एंड्रयू जैकसन के नेतृत्व में अमेरिकी सेना ने न्यू ऑरलियन्स की लड़ाई में ब्रिटिश सेना को हराया, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम ने 1812 के युद्ध को समाप्त करने के लिए गेन्ट की संधि पर हस्ताक्षर किए।

1835 - इतिहास में एकमात्र समय के लिए संयुक्त राज्य के सार्वजनिक ऋण अनुबंध शून्य हुआ।

1836 - लंदन और ग्रीनविच रेलवे ने अपना पहला खंड, लंदन, इंग्लैंड में पहला रेलवे स्टेशन खोला।

दिल्ली की जहरीली हवा एक शहर नहीं पूरे क्षेत्र की विफलता

-कांतिलाल मांडोत-

आज दिल्ली में प्रदूषण कोई नई समस्या नहीं रही है, लेकिन अब यह समस्या इस हद तक पहुंच चुकी है कि इसे केवल पर्यावरणीय संकट कहना कम होगा। यह एक मानवीय त्रासदी का रूप ले चुकी है। हालिया अध्ययन ने एक बार फिर इस सच्चाई को उजागर किया है कि राजधानी दिल्ली की हवा में घुला जहर सिर्फ दिल्ली की देन नहीं है। करीब 65 फीसदी प्रदूषण शहर के बाहर से आता है, खासतौर पर एनसीआर के अन्य जिलों और पड़ोसी राज्यों से। दिल्ली अपने स्तर पर केवल 35 फीसदी प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है। इसके बावजूद सबसे ज्यादा बदनाम भी दिल्ली ही होती है और सबसे ज्यादा मार भी यहीं के लोगों को झेलनी पड़ती है।

दिल्ली की भौगोलिक स्थिति इसे प्रदूषण के मामले में बेहद संवेदनशील बनाती है। उत्तर और उत्तर पश्चिम दिशा से चलने वाली हवाएं हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पंजाब के औद्योगिक क्षेत्रों, खेतों और शहरी इलाकों से उठे धुएं और धूल को दिल्ली में लाकर पटक देती हैं। सर्दियों में हालात और बिगड़ जाते हैं क्योंकि ठंडी हवा के कारण वातावरण में ऐसी परत बन जाती है जो प्रदूषक कणों को ऊपर उठने नहीं देती। नतीजा यह होता है कि दिल्ली की हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे बेहद सूक्ष्म कण कई गुना खतरनाक स्तर तक पहुंच जाते हैं।

नई स्टडी बताती है कि सर्दियों के मौसम में दिल्ली के भीतर गाड़ियों से निकलने वाला धुआं लोकल पीएम 2.5 प्रदूषण का करीब आधा हिस्सा बनाता है। यह योगदान इंडस्ट्री, निर्माण कार्यों और कचरा या ईंधन जलाने जैसे स्रोतों से भी ज्यादा है। दिल्ली की सड़कों पर वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ट्रैफिक जाम में फंसे वाहन घंटों धुआं उगलते रहते हैं। पुरानी डीजल गाड़ियां आज भी सड़कों पर दौड़ रही हैं और सार्वजनिक परिवहन अभी भी जरूरत के मुकाबले अपर्याप्त है। लेकिन इन सबके बावजूद कुल मिलाकर बाहरी प्रदूषण ही सबसे बड़ा खिलाड़ी बनकर सामने आता है।

रिपोर्ट में यह भी साफ कहा गया है कि दिल्ली की प्रदूषण समस्या को केवल शहर की सीमाओं के भीतर रहकर हल नहीं किया जा सकता। यह एक क्षेत्रीय समस्या है और इसका समाधान भी क्षेत्रीय स्तर पर ही संभव है। दिल्ली सरकार चाहे जितने प्रतिबंध लगा ले, अगर एनसीआर और पड़ोसी राज्यों में हालात नहीं सुधरते तो राजधानी को राहत नहीं मिल सकती। यही वजह है कि हर साल वही कहानी दोहराई जाती है। सर्दी आते ही हवा जहरीली हो जाती है, स्कूल बंद होते हैं, निर्माण कार्य रुकते हैं, गाड़ियां सड़कों से हटाई जाती हैं और कुछ दिनों बाद सब कुछ फिर सामान्य मान लिया जाता है। हालांकि पराली जलाने के मोर्चे पर 2025 की सर्दी ने एक उम्मीद की किरण जरूर दिखाई है। आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान पराली जलाने से दिल्ली के पीएम 2.5 प्रदूषण में करीब 10.6 फीसदी की कमी आई है, जो 2024 की तुलना में एक बड़ी राहत मानी जा सकती है। 15 अक्टूबर से 30 नवंबर के बीच जब पराली जलाने का सबसे ज्यादा असर होता है, उस दौरान 2025 में इसका औसत योगदान 4.9 फीसदी रहा जबकि 2024 में यही आंकड़ा 15.5 फीसदी था। यह बताता है कि अगर नीतियां सही हों और उन्हें ईमानदारी से लागू किया जाए तो हालात सुधर सकते हैं। इसके बावजूद 12 नवंबर 2025 को एक दिन ऐसा भी आया जब पराली से प्रदूषण का योगदान 22.47 फीसदी तक पहुंच गया, जो यह याद दिलाने के लिए काफी है कि खतरा अभी टला नहीं है।

दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण का असर अब केवल आंखों में जलन या सांस लेने में दिक्कत तक सीमित नहीं रहा। यह लोगों की जिंदगी छीन रहा है। अस्पतालों में अस्थमा, एलर्जी, हृदय रोग और फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बच्चों के फेफड़े पूरी तरह विकसित होने से पहले ही कमजोर हो रहे हैं। बुजुर्गों के लिए यह हवा मौत को दावत देने जैसी है। गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं पर इसका असर अलग और बेहद खतरनाक है। कई शोध यह संकेत दे चुके हैं कि वायु प्रदूषण के कारण समय से पहले मौतों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यह संकट सामाजिक असमानता को भी गहराता है। अमीर लोग एयर प्यूरीफायर, बंद गाड़ियां और महंगे इलाज का सहारा ले सकते हैं, लेकिन गरीब और मजदूर वर्ग के पास ऐसा कोई विकल्प नहीं होता। खुले में काम करने वाले, सड़क किनारे रहने वाले और झुग्गियों में बसे लोग इस जहर को सबसे ज्यादा मात्रा में अपने भीतर लेते हैं। उनके लिए प्रदूषण कोई मौसम नहीं बल्कि रोज की मजबूरी है। सरकारें भी इस स्थिति में अक्सर मजबूर नजर आती हैं। ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान जैसे उपाय कागजों पर मजबूत दिखते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इनका असर सीमित ही रहता है। ऑड ईवन, पटाखों पर प्रतिबंध और निर्माण कार्यों पर रोक जैसे फैसले तात्कालिक राहत देते हैं, स्थायी समाधान नहीं। असल जरूरत इस बात की है कि दिल्ली एनसीआर और पड़ोसी राज्य मिलकर एक साझा रणनीति बनाएं, जिसमें जवाबदेही तय हो और राजनीतिक इच्छाशक्ति साफ नजर आए।

अगर आगे की राह की बात करें तो यह साफ है कि केवल एक क्षेत्र या एक सरकार के बूते यह लड़ाई नहीं जीती जा सकती। परिवहन व्यवस्था में आमूलचूल बदलाव जरूरी है। सार्वजनिक परिवहन को इतना मजबूत और सुविधाजनक बनाना होगा कि लोग निजी गाड़ियों से दूरी बनाएं। इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाना होगा। उद्योगों को स्वच्छ ईंधन की ओर जाना ही पड़ेगा। निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण अब विकल्प नहीं बल्कि अनिवार्यता बननी चाहिए। कचरा जलाने पर पूरी तरह रोक और उसके लिए मजबूत व्यवस्था जरूरी है। किसानों को पराली न जलाने के लिए केवल दंड नहीं बल्कि व्यवहारिक और आर्थिक विकल्प भी देने होंगे।

इस लड़ाई में नागरिकों की भूमिका भी कम नहीं है। जब तक समाज खुद यह नहीं मानेगा कि स्वच्छ हवा उसका अधिकार है और जिम्मेदारी भी, तब तक हालात नहीं बदलेंगे। हर छोटी आदत मायने रखती है। कारपूल करना, सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करना, कचरा न जलाना और पेड़ों की रक्षा करना जैसे कदम किसी एक दिन में चमत्कार नहीं करेंगे, लेकिन लंबे समय में यही बदलाव की नींव बनेंगे। दिल्ली की हवा आज लोगों से त्राहिमाम करवा रही है। सांस लेना एक संघर्ष बन गया है। बच्चे मास्क पहनकर स्कूल जाने को मजबूर हैं और बुजुर्ग घरों में कैद हो चुके हैं। अगर अब भी इस संकट को गंभीरता से नहीं लिया गया तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। प्रदूषण सिर्फ पर्यावरण का मुद्दा नहीं है, यह जीवन और मृत्यु का सवाल बन चुका है। हवा पर किसी एक शहर का हक नहीं होता और उसकी जिम्मेदारी भी किसी एक पर नहीं छोड़ी जा सकती।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

चुनाव प्रबंधन निकायों का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 21-23 जनवरी तक, लोगो जारी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग 21 से 23 जनवरी तक यहां के भारत मंडपम में इंडिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईसीडीईएम 2026) का आयोजन करने जा रहा है। तीन दिवसीय इस सम्मेलन का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन से जुड़ी चुनौतियों, नवाचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं पर सार्थक संवाद को आगे बढ़ाना है।

इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम) और इंटरनेशनल आइडिया के सहयोग से इसका आयोजन किया जा रहा है। आज इस संबंध में द्वारका स्थित इंस्टिट्यूट में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। इसे इंस्टिट्यूट के महानिदेशक राकेश वर्मा ने संबोधित किया। इस अवसर पर आईआईआईसीडीईएम–2026 का लोगो लॉन्च किया गया। वर्मा ने बताया कि यह लोकतंत्र, सहभागिता, संस्थागत ईमानदारी और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के मूल्यों को दर्शाता है। समग्र रूप से यह लोगो एक स्पष्ट संदेश देता है कि लोकतंत्र

जनता से संचालित, संस्थानों द्वारा समर्थित और वैश्विक रूप से जुड़ा हुआ है, जिसमें भारत की भूमिका केंद्रीय और जिम्मेदार है। उल्लेखनीय है कि भारत ने वर्ष 2026 के लिए इंटरनेशनल आइडिया की अध्यक्षता भी संभाली है।

इसके तहत यह सम्मेलन वैश्विक लोकतांत्रिक विमर्श के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में उभरेगा। सम्मेलन का लक्ष्य विभिन्न देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों के बीच अंतरराष्ट्रीय सहयोग को सुदृढ़ करना, साझा वैश्विक चुनौतियों पर सामूहिक दृष्टि विकसित करना, श्रेष्ठ प्रथाओं और नवाचारों का आदान–प्रदान करना तथा समाधान सह–निर्मित करना है। वर्मा ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य विषय "समावेशी, शांतिपूर्ण, सुदृढ़ और सतत विश्व के लिए लोकतंत्र" है। इसके अंतर्गत दो प्रमुख विषयगत स्तंभ निर्धारित किए गए हैं–भविष्य के लिए लोकतंत्र की पुनर्कल्पना तथा सतत लोकतंत्र के लिए पेशेवर और स्वतंत्र चुनाव प्रबंधन निकायों की अनिवार्यता।

सम्मेलन के दौरान सामान्य और पूर्ण सत्रों के साथ–साथ कई विषयगत सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें उद्घाटन सत्र, ईएमबी नेताओं की पूर्ण बैठक, ईएमबी कार्य समूह बैठक तथा ईसीआईनेट के शुभारंभ जैसे कार्यक्रम शामिल हैं।

इसके अलावा वैश्विक विषयों पर सात सत्र, अंतरराष्ट्रीय चुनावी मानकों पर 11 मॉडल सत्र तथा चुनावी प्रक्रियाओं में 25 श्रेष्ठ प्रथाओं और नवाचारों पर केंद्रित सत्र आयोजित किए जाएंगे। आईआईआईसीडीईएम 2026 में विश्वभर से चुनाव प्रबंधन निकायों के प्रमुख और वरिष्ठ अधिकारी, अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि, अनुभवी चुनाव विशेषज्ञ तथा आईआईटी, आईआईएम, एनएलयू और आईआईएमसी सहित प्रतिष्ठित संस्थानों के शिक्षाविद भाग लेंगे। सम्मेलन में 42 चुनाव प्रबंधन निकायों के 90 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों की भागीदारी अपेक्षित है, जबकि 36 विषयगत समूहों और 20 राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय अकादमिक विशेषज्ञों की सहभागिता इसे एक व्यापक और प्रभावशाली वैश्विक मंच प्रदान करेगी।

कुरुक्षेत्र का अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव बना वैश्विक आध्यात्मिक आंदोलन: सैनी

नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव को वैश्विक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आंदोलन बताते हुए आज कहा कि यह महोत्सव अब श्रीमद्भगवत गीता के शांति, सद्भाव और सार्वभौमिक बंधुत्व के संदेश को पूरी मानवता तक पहुंचा रहा है।

मुख्यमंत्री सैनी ने 'अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सवः गीता की विश्व यात्रा' शीर्षक से बुधवार को साझा किये अपने एक लेख में इस महोत्सव को भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए गीता के शाश्वत उपदेश के समान निरुपित करते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र के ब्रह्म सरोवर पर आयोजित यह महोत्सव अब क्षेत्रीय आयोजन से आगे बढ़कर हर महाद्वीप में गीता के बढ़ते प्रभाव का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने कहा कि पांच हजार वर्ष पूर्व महाभारत युद्ध के मैदान में श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया गीता का उपदेश आज विश्व के सबसे सम्मानित आध्यात्मिक ग्रंथों में शुमार है। इसी तरह, 1989 में हरियाणा सरकार द्वारा कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के माध्यम से शुरू किया गया गीता महोत्सव 2016 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से अंतरराष्ट्रीय स्वरूप ले चुका है। अब तक यह आयोजन ब्रिटेन, मॉरीशस, कनाडा, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया सहित 30 से अधिक देशों में हो चुका

है। यूरोप, मध्य एशिया, उत्तरी अमेरिका, अफ्रीका और मध्य–पूर्व के देश भी इसमें शामिल हो रहे हैं। सऊदी अरब में आयोजित महोत्सव को उन्होंने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। लेख में मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि विदेश मंत्रालय के सहयोग से 2025 में महोत्सव को और व्यापक बनाया गया।

भारतीय मिशनों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय सहभागिता बढ़ी, जिससे भारत की सांस्कृतिक कूटनीति को नई ऊंचाई मिली। गीता को कनाडा की संसद (ओटावा), लंदन के हाउस ऑफ कॉमंस और अन्य प्रमुख सरकारी संस्थानों में रखा गया। कनाडा के ब्रैम्पटन और यूके के लेस्टर शहरों में 'श्रीमद्भगवद् गीता पार्क' नाम से उद्यान स्थापित किए गए, जबकि कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में गीता पीठ बनाई गईं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा नवंबर 2025 के 'मन की बात' कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र के अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव की सराहना का जिक्र करते हुए कहा कि ब्रह्म सरोवर पर आयोजित इस महोत्सव में शामिल होना उनके लिए विशेष अनुभव रहा और विश्वभर के लोग गीता से प्रेरित हो रहे हैं। पीएम ने सऊदी अरब, लात्विया सहित अन्य देशों में हुए आयोजनों का जिक्र करते हुए गीता के शांति और करुणा के संदेश की वैश्विक गूंज को बताया था। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि जर्मन दार्शनिक मैक्स मूलर और आर्थर शोपेनहावर गीता से गहरे प्रभावित थे। शोपेनहावर ने इसे विश्व की सबसे गहन रचना बताते हुए वैराग्य और मुक्ति का मार्ग माना। महोत्सव की प्रमुख गतिविधियों में आरती–दीपोत्सव, गीता यज्ञ, वैश्विक सामूहिक पाठ (2025 में 1 लाख से अधिक प्रतिभागी, जिसमें 21 हजार विद्यार्थी शामिल), सद्भावना यात्रा, पुस्तक–शिल्प–खाद्य मेले, रन फॉर गीता और क्विज शामिल हैं।

बंगाल : गंगासागर तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए हाई-स्पीड लाइफबॉय ड्रोन तैनात

गंगासागर। पश्चिम बंगाल सरकार ने गंगासागर मेले में समुद्र अथवा नदियों में फंसे लोगों की खोज और बचाव के लिए इस्तेमाल होने वाले रिमोट–कंट्रोल से संचालित लाइफबॉय नामक एक ड्रोन को तैनात किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

लाइफबॉय ड्रोन की क्षमता एक किलोमीटर की ऊंचाई तक उड़ान भरने की है और यह 1,000 किलोग्राम तक का भार खींचने में सक्षम है, जिससे यह ऑन–बोर्ड हाई–रिज़ॉल्यूशन वीडियो कैमरे की मदद से कई जीवित बचे लोगों या यहां तक कि जीवन रक्षक नौका की भी पहचान करके उनकी सहायता कर सकता है। रिमोट से संचालित लाइफबॉय या वाटर ड्रोन एक मोटरयुक्त, स्व–चालित फ्लोटेशन डिवाइस है जिसे संचालक रिमोट से निर्देशित करते हैं ताकि नदियों और समुद्रों में संकट में फंसे लोगों तक जल्दी पहुंचा जा सके और उन्हें सुरक्षित स्थान पर लाया जा सके। इस गैजेट में जीपीएस, वीडियो फीडबैक और कई पीड़ितों को खींचने की शक्तिशाली क्षमता जैसी सुविधाएं हैं। राज्य सरकार द्वारा तैनात किया गया लाइफबॉय सात मीटर प्रति सेकंड की अधिकतम गति प्राप्त कर सकता है, जिससे यह मानव लाइफगार्ड की तुलना में पीड़ितों तक काफी तेजी से पहुंच सकता है। गंगा नदी और बंगाल की खाड़ी के संगम पर स्थित सागर द्वीप पर वार्षिक गंगासागर मेला 12 से 15 जनवरी तक आयोजित होने वाला है। तीर्थयात्री संगम पर स्नान करने के बाद कपिल मुनि मंदिर में पूजा–अर्चना करते हैं।

जेएनयू में भड़काऊ नारेबाजी की घटना से सतर्क रहें: विहिप

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) परिसर में भड़काऊ नारेबाजी की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। विहिप ने कहा कि इस मामले की जांच करा कर दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने बुधवार को एक बयान में कहा कि लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आज़ादी मनमानी करने का लाइसेंस नहीं देती। कब्र खोदने के नारे ऐसे अधिकारों का उल्लंघन हैं। ये नारे देशवासियों को अंदरूनी खतरों की याद दिलाते हैं और यह याद दिलाते हैं कि हमेशा सतर्क रहना ही आज़ादी की कीमत है। बयान में कहा गया कि जेएनयू की पवित्रता को प्रधानमंत्री और दूसरों को निशाना बनाने वाले भद्दे नारों से फिर से नष्ट किया गया है। इस बार उकसावे की वजह दिल्ली दंगों के आरोपितों उमर खालिद और शरजील इमाम को ज़मानत न मिलना बताया गया। ध्यान देने वाली बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि अभियोजन पक्ष के पास दोनों के खिलाफ दंगों में शामिल होने से जुड़े सीधे और पुष्टि करने वाले सबूत हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में वर्ष 2020 में हिंदुओं पर हुए सुनियोजित हमलों के पीछे बड़े षड्यंत्र से जुड़े अपराधों में उनकी केंद्रीय और मुख्य भूमिका पर भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि उमर और शरजील पर देश की एकता और क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ साज़िश रचने का आरोप है। यह जघन्य अपराध है। यह सभी के लिए उचित होगा कि वे ट्रायल का इंतज़ार करें, जहां आरोपितों को अपनी बेगुनाही साबित करने का मौका मिलेगा। विहिप अध्यक्ष ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुट्ठी भर लोगों ने सब्र रखने की बजाय आधी रात को जेएनयू परिसर का माहौल खराब करने का दुस्साहस किया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मिले सुमन चक्रवर्ती सौंपी आईआईटी खड़गपुर की प्रगति रिपोर्ट

नई दिल्ली/खड़गपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर के निदेशक प्रो. सुमन चक्रवर्ती ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से भेंट की। इस मुलाकात के दौरान संस्थान की पिछले छह महीनों की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आईआईटी खड़गपुर द्वारा छात्र कल्याण और समुदाय–केंद्रित प्रौद्योगिकी विकास के क्षेत्र में किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से संस्थान के उन प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया, जिनका उद्देश्य युवाओं को 'रोजगार चाहने वाले' के बजाय 'रोजगार सृजक' (एंटरप्रेन्योर) बनाना है। मुलाकात के दौरान केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि आईआईटी खड़गपुर को देश के पूर्वी क्षेत्र में एक नेतृत्वकारी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि संस्थान को 'हब–एंड–स्पोक मॉडल' के माध्यम से सामूहिक उत्कृष्टता को सुदृढ़ करना

चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि ऐसी पहल पूर्वी भारत के विकास परिदृश्य को बदल सकती है और 'विकसित भारत' के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति में इस क्षेत्र को एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बना सकती है।

शिक्षा मंत्री ने संस्थान को उच्च प्रभाव वाली योजनाओं के निर्माण और उनके क्रियान्वयन के लिए हरसंभव मार्गदर्शन और सहयोग देने का आश्वासन दिया। प्रो. चक्रवर्ती ने केंद्रीय मंत्री के बहुआयामी विकास और वैश्विक उत्कृष्टता की दिशा में दिए गए दूरदर्शी विचारों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जब तक जनता का आशीर्वाद रहेगा राजनीति में बना रहूंगा : सिद्धरमैया

हावेरी (कर्नाटक)। कर्नाटक के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेता के रूप में बुधवार को इतिहास में अपना नाम दर्ज कराने वाले सिद्धरमैया ने कहा कि वह जनता के आशीर्वाद से राजनीति में यहां तक पहुंचे हैं और उन्हें नहीं पता कि वह कितने समय तक सक्रिय रहेंगे।

सिद्धरमैया ने रेखांकित किया कि जब तक उन्हें जनता का आशीर्वाद मिलता रहेगा, तबतक राजनीति में बने रहेंगे। उन्होंने अपने प्रशासन के कामकाज को लेकर भी संतोष जताया। मुख्यमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में कांग्रेस नेता सिद्धरमैया (77) ने 2,792 दिनों के साथ राज्य के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का देवराज उर्स का रिकॉर्ड तोड़ दिया। कांग्रेस के दिग्गज नेता ने कहा कि राजनीति में बने रहने के लिए जनता का आशीर्वाद होना जरूरी है। जनता के आशीर्वाद से ही मैं यहां तक पहुंचा हूं, आगे कितने समय तक राजनीति में रहूंगा, यह नहीं जानता। मैं यहां तक आया हूं और आगे भी सक्रिय रहूंगा। जब तक जनता का आशीर्वाद रहेगा, तब तक राजनीति में बना रहूंगा। कर्नाटक की मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सिद्धरमैया की उपलब्धियों को शून्य बताते हुए दावा किया है कि राज्य का खजाना खाली है।

प्रियंका गांधी ने केरल सरकार से कमजोर आदिवासी समूहों के वन अधिकारों की रक्षा का आग्रह किया

वायनाड (केरल)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने केरल सरकार से राज्य में विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों (पीवीटीजी) के वन अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

पार्टी ने एक बयान में कहा कि वाड्रा ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति राज्य मंत्री ओ.आर. केलू को लिखे पत्र में यह अनुरोध किया। कांग्रेस सांसद ने अपने पत्र में कहा कि जब उन्होंने संसद में यह मुद्दा उठाया, तो उन्हें बताया गया कि वन अधिकार अधिनियम, 2006 के तहत पीवीटीजी को अभी तक अधिकार नहीं दिए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पारिस्थितिकी तंत्र के अधिकारों को मान्यता देना महत्वपूर्ण है, जो न केवल आदिवासी लोगों के

भूमि अधिकारों की पुष्टि करता है बल्कि उनकी सांस्कृतिक प्रथाओं और पारंपरिक आजीविका की रक्षा भी करता है। कांग्रेस सांसद ने दावा किया कि वनों पर अतिक्रमण, वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन आदिवासी समुदायों के जीवन को बुरी तरह प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि वन्यजीवों के बढ़ते हमले और रिहाइशी क्षेत्र का कम होना भी उनकी जीवन शैली के लिए एक गंभीर खतरा है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि आदिवासी समुदायों के लिए सरकारी पहल के सफल न होने का एक कारण इन समूहों, विशेष रूप से पीवीटीजी में अपने अधिकारों के बारे में जागरूकता की कमी और अधिकारों का हनन है।

उन्होंने आदिवासी समुदायों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया। वाड्रा ने अपने पत्र में नीलांबुर में चोलानाइकन जनजाति के लोगों से मुलाकात का भी जिक्र किया और बताया कि कैसे उनकी समझदारी, समानता की भावना और पर्यावरण के प्रति सम्मान ने उन्हें प्रभावित किया।

जलशक्ति मंत्री पाटिल ने समुदाय आधारित मल कीचड़ प्रबंधन मॉडलों की सराहना की

नई दिल्ली। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने स्वच्छ भारत मिशन–ग्रामीण के तहत सभी राज्यों से बातचीत की और समुदाय की मदद से चल रहे मल कीचड़ प्रबंधन (एफएसएम) के नए मॉडल की तारीफ की। जलशक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से मंगलवार को आयोजित वर्चुअल संवाद में पाटिल ने कहा कि शौचालय बनाना ही काफी नहीं है, उसे सुरक्षित तरीके से खाली करना, ले जाना, ट्रीट करना और दोबारा इस्तेमाल करना भी उतना ही जरूरी है। ओडिशा के खोरधा जिले में ट्रांसजेंडर समूह द्वारा फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (एफएसटीपी) चलाने की पहल को उन्होंने सबसे प्रेरक उदाहरण बताया, क्योंकि इससे सफाई भी हो रही है और लोगों को काम भी मिल रहा है।

संवाद में जलशक्ति राज्यमंत्री वी सोमन्ना, सचिव अशोक केके मीणा और स्वच्छ भारत मिशन–ग्रामीण की मिशन निदेशक ऐश्वर्या सिंह भी शामिल हुए। अलग–अलग राज्यों के जिला कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ, पंचायत सदस्य और स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाएं और सदस्य भी ऑनलाइन जुड़े। मंत्रालय ने बताया कि गुजरात के डांग जिले के आदिवासी इलाकों में ट्विन–पिट शौचालय का बड़े स्तर पर इस्तेमाल हो रहा है। सिक्किम के मंगन जिले में सिंगल–पिट को ट्विन–पिट में बदलने का काम तेजी से किया गया, ताकि एफएसएम के नियम पूरे हो सकें। मध्य प्रदेश के इंदौर की कालीबिल्लौद ग्राम पंचायत में देश का पहला ग्रामीण एफएसटीपी है, जहां ट्रीट किए पानी में मछली पालन का भी प्रयोग हो रहा है और साथ में एमआरएफ सेंटर भी बनाया गया है। इससे पंचायतों को कमाई का नया जरिया मिला है। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में एसएचजी की मदद से क्लस्टर एफएसटीपी मॉडल चलाया जा रहा है, जिसमें रखरखाव की जिम्मेदारी भी स्थानीय समूह संभाल रहे हैं। लद्दाख के लेह जिले में कड़ाके की ठंड और ऊंचाई को देखते हुए इकोसैन शौचालय बनाए गए हैं।

त्रिपुरा के गोमती जिले में मेले और सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए मोबाइल बायो–टॉयलेट लगाए गए हैं, जिन्हें एसएचजी खुद चला रहे हैं और यह मॉडल अपने खर्च खुद निकालने में भी सफल रहा है। संवाद के दौरान लोगों को अपनी बात स्थानीय भाषा में रखने के लिए कहा गया, जिससे समुदाय के लोग खुलकर अपने अनुभव बता सके। मंत्री पाटिल ने कहा कि गांवों में एफएसएम तभी सफल होगा जब पंचायत, एसएचजी और आम लोग मिलकर काम करें और तकनीक भी जगह के हिसाब से चुनी जाए। मुश्किल हालात में किए गए ये प्रयोग दिखाते हैं कि गांव भी शहरों से कम नहीं, जब बात नए समाधान ढूंढने की हो।

बीज, उर्वरक और कीटनाशक के सैंपल की सुरक्षित ढुलाई के लिए कृषि और डाक विभाग के बीच समझौता

नई दिल्ली। बीज, उर्वरक और कीटनाशक के सैंपलों की अब सुरक्षित एवं डिजिटल ट्रैकिंग आधारित ढुलाई डाक विभाग करेगा। इस संबंध में बुधवार को कृषि मंत्रालय और डाक विभाग के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। कृषि मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया और चंद्रशेखर पेम्मासानी उपस्थिति थे। इस समझौते के तहत घटिया बीज, खाद और कीटनाशक की जांच और सैंपल की फेसलेस और ट्रेसलेस' ढुलाई से छेड़छाड़, देरी और मैनेजमेंट की गुंजाइश लगभग समाप्त हो जाएगी।

इस अवसर पर मीडिया से बातचीत में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि डाक विभाग के बारकोड/क्यूआर कोड आधारित नेटवर्क और विशेष लॉजिस्टिक क्षमता के उपयोग से देशभर के निर्माण इकाइयों, डीलरों और बाजारों से लिए गए सैंपल सुरक्षित रूप से निर्धारित प्रयोगशालाओं तक पहुंचाए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री चौहान ने स्पष्ट किया कि सरकार पेस्टिसाइड एक्ट और सीड एक्ट के माध्यम से घटिया कीटनाशकों और बीजों पर कठोर दंडात्मक प्रावधानों की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है, ताकि किसानों की सालभर की मेहनत पर पानी फेरने वाले तत्वों पर सख्ती की जा सके।

शिवराज चौहान ने कहा कि 2 करोड़ से अधिक 'लखपति दीदियां' गरीबी उन्मूलन का अभूतपूर्व मॉडल हैं और नए समझौते के जरिये डाक विभाग के माध्यम से बैंकिंग व वित्तीय सेवाओं का विस्तार होने से बहनों की आय में 15 से 30 हजार रुपये प्रतिमाह तक की अतिरिक्त बढ़ोतरी की उम्मीद बनेंगी। उन्होंने कहा कि 'बीसी सखी' मॉडल को डाक विभाग के विशाल नेटवर्क से जोड़ने पर गांव–गांव और घर–घर तक बैंकिंग सुविधाएं पहुंचेंगी, जिससे किसानों और ग्रामीण परिवारों को सीधी सुविधा और राहत मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक सेवाओं की लास्ट–माइल डिलीवरी को मज़बूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित संस्थानों को पूरी ट्रेनिंग दी जाएगी और उन्हें इलेक्ट्रॉनिक टैबलेट, पॉइंट–ऑफ–सेल मशीन और सर्टिफिकेशन दिए जाएंगे, जिससे वे सीधे घरों तक कई तरह की सेवाएं पहुंचा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस पहल के ज़रिए, पोस्ट ऑफिस बचत योजनाएं, सुकन्या समृद्धि योजना, कैश ट्रांसफर सेवाएं और कई अन्य फाइनेंशियल प्रोडक्ट जैसी सेवाएं नागरिकों के दरवाज़े गांवगांव तक कुशलता से पहुंचाई जाएंगी। ग्रामीण बहनोंदीदियों की आय बढ़ाने के लिए ये नया समझौता है।

सीएम योगी ने किया दो रैन बसेरों का निरीक्षण, जरूरतमंदों में वितरित किया कंबल और भोजन

भीषण शीतलहर में कोई भी फुटपाथ पर न सोए : सीएम

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गोरखपुर महानगर में दो अस्थायी रैन बसेरों (बरगदवा व राप्तीनगर) का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं की पड़ताल की। इस अवसर पर उन्होंने रैन बसेरे में ठहरे लोगों और रैन बसेरों के बाहर जरूरतमंदों में कंबल व भोजन का भी वितरण किया। निरीक्षण और कंबल वितरण के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में जिला प्रशासन और नगर निगम, नगर निकाय-स्थानीय निकायों के प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी व्यक्ति खुले में, फुटपाथ या पटरियों पर न सोए। उसे रैन बसेरों में उचित व्यवस्था के साथ रहने का सम्मानजनक ठौर दिया जाए।

उन्होंने बताया कि जनता को भीषण शीतलहर से बचाने के लिए सभी जिलों में जिला प्रशासन को पर्याप्त धनराशि दी गई है। बुधवार को गोरखपुर दौरे पर आए सीएम योगी ने बरगदवा और राप्तीनगर स्थित अस्थायी रैन बसेरे का निरीक्षण किया। उन्होंने रैन बसेरों में ठहरे लोगों से उनका हालचाल जाना और बातचीत की। मुख्यमंत्री ने सभी से रैन बसेरे में मिल रही सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली। सबने रैन बसेरे में उपलब्ध व्यवस्थाओं को लेकर संतोषजनक जवाब दिया और भीषण शीतलहर में अच्छी सुविधा दिलाने के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

दोनों रैन बसेरों में और यहां के बाहर मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से जरूरतमंदों में कंबल व भोजन का वितरण कर उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार उनकी सेवा व सहूलियत के लिए संकल्पित भाव से कार्य कर रही है। रैन बसेरों का निरीक्षण करने के बाद मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्तमान समय में भीषण शीतलहर का प्रकोप है। लोगों को इससे बचाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा सभी जिला प्रशासन को युद्ध स्तर पर कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। हर जिले में व्यापक पैमाने पर रन रैन बसेरों का संचालन करने, जरूरतमंदों में कंबल व ऊनी वस्त्रों का वितरण करने तथा सार्वजनिक स्थानों पर पर्याप्त संख्या में अलाव जलाने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि गोरखपुर महानगर में 19 रैन बसेरे संचालित हो रहे हैं, जिनमें एक हजार जरूरतमंद या फुटपाथ-पटरियों पर सोने को मजबूर लोगों के रहने के लिए अस्थायी तौर पर व्यवस्था की गई है। सभी रैन बसेरे सुरक्षित हैं और व्यवस्थित तरीके से संचालित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि गोरखपुर की तरह ही प्रदेश के सभी महानगरों सभी जनपदों में व्यापक पैमाने पर रैन बसेरे संचालित किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन और नगर निकाय-स्थानीय निकाय प्रशासनों को हिदायत दी गई है कि जिसके पास अपना स्वयं रहने का ठिकाना नहीं है, वे लोग फुटपाथ पर गुजारा न करें बल्कि उन्हें रैन बसेरों में लाकर उचित व्यवस्था दी जाए। उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में जिला प्रशासन और नगर निकाय प्रशासन की तरफ से ये कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने स्वयंसेवी संगठनों और धर्मार्थ संस्थाओं से भी अपील की है कि वे भीषण शीतलहर में लोगों की सहायता के लिए आगे आएं। उन्होंने संस्थाओं से जरूरतमंदों में कंबल और ऊनी वस्त्रों के वितरण का आह्वान करते हुए कहा कि यह पुण्य और धर्मार्थ का कार्य है।

रैन बसेरों के निरीक्षण और कंबल वितरण के दौरान महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, भाजपा के महानगर संयोजक राजेश गुप्ता, स्थानीय पार्षद आदि उपस्थित रहे। जनता की सेवा और जरूरतमंदों की सुविधा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शीर्ष प्राथमिकता है, इसे उन्होंने हमेशा सिद्ध किया है। जनसेवा के अभियान को गति देते हुए सीएम योगी बुधवार को एक माह के भीतर तीसरी बार गोरखपुर में फील्ड में उतरे। बुधवार को दो रैन बसेरों का निरीक्षण और जरूरतमंदों में कंबल वितरित करने से पूर्व 28 दिसंबर तथा 10 दिसंबर को भी उन्होंने रैन बसेरों का जायजा लेकर कंबल वितरण किया था। बुधवार को सीएम योगी राप्तीनगर व मोहरीपुर स्थित रैन बसेरों में पहुंचे थे। जबकि 28 दिसंबर को उन्होंने टीपीनगर, धर्मशाला बाजार तथा 10 दिसंबर को रेलवे स्टेशन के सामने और झूलेलाल मंदिर के पीछे स्थित रैन बसेरों का निरीक्षण किया था।

नगर निगम की निश्चित आय का जरिया बनेगी सीएम ग्रिड की स्मार्ट सड़क : योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी ने बुधवार को राप्तीनगर में सीएम ग्रिड (चीफ मिनिस्टर ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट) योजना के तहत राप्तीनगर में बनी स्मार्ट सड़क का निरीक्षण किया। निर्माण कार्य पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि बेहतरीन यूटिलिटी डक्ट से युक्त यह स्मार्ट सड़क नगर निगम की निश्चित आय का जरिया भी बनेगी।

सीएम ग्रिड योजना के तहत राप्तीनगर में स्मार्ट सड़क का निरीक्षण करने के दौरान मुख्यमंत्री ने नगर आयुक्त से इसके सभी पहलुओं, पार्किंग, बेंच, यूटिलिटी डक्ट, ग्रीनरी, बनाने की तकनीकी आदि की विस्तार से जानकारी ली। नगर आयुक्त ने बताया कि पहले चरण में यह स्मार्ट सड़क पायलट प्रोजेक्ट के रूप में बनी है। निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत में सीएम योगी ने कहा कि स्मार्ट सड़क में स्टॉर्म वाटर मैनेजमेंट के साथ ही यूटिलिटी डक्ट भी बनाया गया है। इससे पाइपलाइन डालने के लिए बार-बार सड़क की खोदाई नहीं करनी पड़ेगी। यह स्मार्ट सड़क इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यूटिलिटी डक्ट नगर निगम के लिए निश्चित आय का आधार भी बनेगा। यूटिलिटी डक्ट का उपयोग जिन संस्थाओं द्वारा अपने कार्य के लिए पाइपलाइन (बिजली, गैस) आदि डालने के लिए किया जाएगा, वे नगर निगम को इसके लिए किराया देंगी। सीएम ग्रिड की स्मार्ट सड़क नगर निगम को सालाना दो करोड़ रुपये का आय कराने में सफल होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा यह स्मार्ट सड़क मॉडल रोड है। इससे नगर निकायों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। सीएम योगी ने कहा कि सामूहिक प्रयास के अच्छे परिणाम सामने आते हैं। जब सबका सहयोग मिलता है तो महानगर, जनपद और प्रदेश विकास की बुलंदियों को छूता है। गोरखपुर में विकास इसी रूप में देखने को मिल रहा है।

प्रदेश में 20 आईपीएस अधिकारियों का तबादला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने बुधवार को 20 आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया। इन तबादलों में आईपीएस किरण एस को पुलिस महानिरीक्षक परिक्षेत्र लखनऊ बनाया गया है। अपर्णा कुमार को संयुक्त पुलिस आयुक्त का कार्यभार सौंपा गया है।

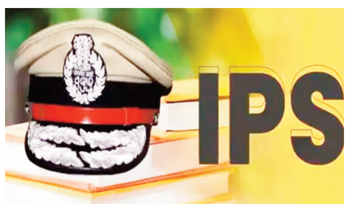

पुलिस मुख्यालय से जारी सूची के आधार पर आईपीएस रामकुमार को अपर पुलिस महानिदेशक, मानवाधिकार लखनऊ से अपर पुलिस महानिदेशक लाजिस्टिक, अपर पुलिस महानिदेशक लाजिस्टिक राजकुमार को अपर पुलिस महानिदेशक मानवाधिकार, अपर पुलिस महानिदेशक पीटीएस जालौन ज्योति नारायन को प्रयागराज जोन, अपर पुलिस महानिदेशक डा. संजीव गुप्ता को प्रयागराज जोन से हटाकर अपर पुलिस महानिदेशक पुलिस मुख्यालय लखनऊ, प्रशान्त कुमार को अपर पुलिस महानिदेशक प्रशासन बनाया गया है।

तरुण गाबा को अपर पुलिस महानिदेशक सुरक्षा, आशुतोष कुमार को पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर से अपर पुलिस महानिदेशक पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ, मोदक राजेश डी को पुलिस महानिरीक्षक रेलवे से पुलिस महानिरीक्षक स्थापना, आरके भारद्वाज को पुलिस महानिरीक्षक भवन एवं कल्याण से पुलिस महानिरीक्षक रेलवे लखनऊ बनाया गया है। इनके अलावा आनंद सुरेशराव कुलकर्णी को तकनीकि सेवायें से हटाकर पुलिस महानिरीक्षक भ्रष्टाचार निवारण संगठन, अमित वर्मा को पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ से पुलिस महानिरीक्षक ईओडब्ल्यू उप्र, अखिलेश कुमार निगम को पुलिस महानिरीक्षक सीआईडी, एन कोलान्ची को पुलिस महानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज, राजीव मल्होत्रा को पुलिस महानिरीक्षक यूपी एसआईएफएस लखनऊ, रोहन पी कनय पुलिस उपमहानिरीक्षक विशेष जांच, मो. ईमरान को पुलिस उपमहानिरीक्षक भवन एवं कल्याण, संतोष कुमार को पुलिस उपमहानिरीक्षक पीटीएस जालौन और विजय ढुल को यूपी 112 लखनऊ से हटाकर पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज में अपर पुलिस आयुक्त बनाया है।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग, दो साल की बच्ची की झुलसने से मौत

इटावा। जिले में बुधवार को एक घर में संदिग्ध रूप से शॉर्ट सर्किट से लगी आग में झुलस कर दो साल की एक बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बकिवार थाना क्षेत्र के भवानीपुर गांव में एक घर के अंदर संदिग्ध रूप से शॉर्ट सर्किट होने के कारण चारपाई पर सो रही शान्या नाम की दो साल की एक बच्ची की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, घटना के वक्त बच्ची का पिता आदित्य कुमार काम के सिलसिले में बाहर गया था जबकि उसकी मां छत पर उपले बनाने गई थी। पुलिस ने बताया कि धुआं उठते देख वह नीचे पहुंची और शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पानी डालकर आग बुझाई लेकिन तब तक बच्ची की झुलसकर मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। पुलिस ने बताया कि आग लगने का कारण प्रथम दृष्ट्या शार्ट सर्किट प्रतीत होता है।

तलवार बांटने के आरोप में हिंदू रक्षा दल अध्यक्ष पिंकी चौधरी और बेटा गिरफ्तार

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित शालीमार गार्डन में खुलेआम तलवारे बांटने और जुलूस निकालकर आपत्तिजनक नारेबाजी करने के आरोप में पुलिस ने हिंदू रक्षा दल के अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी उर्फ 'पिंकी' चौधरी व उसके बेटे को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (ट्रांस हिंडन) निमिष पाटिल ने बताया कि मंगलवार को सूचना मिलने पर पुलिस ने भूपेंद्र चौधरी उर्फ पिंकी (50) और उसके बेटे हर्ष चौधरी (23) को 80 फुट रोड से गिरफ्तार कर लिया।

उन्होंने बताया कि इससे पहले 27 दिसंबर की रात को हिंदू संगठन के 10 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया था। पाटिल ने बताया कि पिंकी और उसके साथियों ने पिछले महीने शालीमार गार्डन कॉलोनी में घर-घर जाकर तलवारें, फरसे और अन्य हथियार बांटे थे। उन्होंने बताया कि इसके अलावा आरोपियों ने कॉलोनी में एक जुलूस भी निकाला था, जिसमें मुस्लिम विरोधी भड़काऊ नारे लगाये गये थे और अपशब्दों का इस्तेमाल किया गया था। अधिकारी ने बताया कि इस मामले में संबंधित पुलिस चौकी के प्रभारी उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार ने 16 नामजद और 25 से 30 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि पिंकी चौधरी के खिलाफ विभिन्न थानों में लगभग 27 आपराधिक मामले जबकि उसके बेटे हर्ष के खिलाफ तीन मुकदमे दर्ज हैं।

उन्होंने बताया कि दोनों को गिरफ्तारी के बाद अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। अधिकारी ने बताया कि बाकी सभी फरार नामजद और अज्ञात अभियुक्तों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। शालीमार गार्डन कॉलोनी में तलवारे बांटने की घटना के बाद पिंकी चौधरी का एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें उसने दावा किया था कि उन मुसलमानों का सामना करने के लिए 250 हथियार बांटे गए हैं, जो हिंदू परिवारों पर हमला करते हैं और हिंदू लड़कियों व महिलाओं के साथ छेड़छाड़ करते थे।

334 संरक्षित तोते बरामद वन्यजीव तस्कर गिरफ्तार

वाराणसी। एसटीएफ ने कैंट रेलवे स्टेशन पर 334 संरक्षित तोते बरामद कर अंतरराज्यीय वन्यजीव तस्करी गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया। एसटीएफ द्वारा बुधवार को जारी एक बयान के मुताबिक, आरोपी की पहचान मोहम्मद जाहिद के रूप में हुई है और वह पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले का रहने वाला है। मंगलवार को शाम वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर पांच से जाहिद को गिरफ्तार किया गया। एसटीएफ ने बताया कि 'रोज-रिंग्ड' और 'अलेक्जेंड्रिन पैराकीट' सहित प्रतिबंधित प्रजाति के 334 तोते, सात प्लास्टिक बैग और 3,700 रुपये नकद बरामद किए। अधिकारियों के मुताबिक पिछले कुछ दिनों से संरक्षित वन्य जीवों की अवैध तस्करी में शामिल गिरोहों की बढ़ती गतिविधियों के बारे में जानकारी मिल रही थी।

ग्रामीणों ने श्रमदान कर बनाई 70 मीटर लम्बी सड़क

फर्रुखाबाद। अमृतपुर थाना क्षेत्र में गंगा नदी में आई बाढ़ के पानी से टूटी सड़क को वहां के वाशिंदों ने श्रमदान कर बना दिया। बाढ़ के पानी से टूटा संपर्क मार्ग 5 गांवों के लोगों के लिए सिरदर्द साबित हो रहा था। कुतलूपुर-कुबेरपुर संपर्क मार्ग लगभग 70 मीटर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था। सड़क कटने से करीब आधा दर्जन गांवों का मुख्य मार्ग से संपर्क टूट गया था। दोपहिया वाहन चालक तो किसी तरह खेतों के रास्ते निकल जाते थे। लेकिन बड़े वाहन ट्रैक्टर-ट्राली और चार पहिया वाहनों के पहिए पूरी तरह थम गए थे।

ग्रामीणों को अपने गंतव्य तक पहुँचने के लिए 7 किलोमीटर का अतिरिक्त और लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा था,जिससे समय और ईंधन दोनों की बर्बादी हो रही थी। बाढ़ का पानी उतरने के कई महीने बीत जाने के बाद भी जब स्थानीय प्रशासन ने इस सड़क की मरम्मत नहीं की और न इस बावत कोई ध्यान दिया, तो ग्रामीणों का धैर्य जवाब दे गया। सरकारी मदद की उम्मीद छोड़कर ग्रामीणों ने स्थानीय समाजसेवी समर दीप सिंह के नेतृत्व में खुद ही फावड़ा-कुदाल उठा लिया। समाजसेवी समर दीप सिंह ने बताया कि सड़क मरम्मत का यह अभियान करीब एक सप्ताह तक चला। इस दौरान प्रतिदिन एक दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने पूरे उत्साह के साथ श्रमदान किया। कड़ी मेहनत के बाद क्षतिग्रस्त 70 मीटर सड़क को मिट्टी डालकर समतल और आवागमन योग्य बना दिया गया है। अब ग्रामीणों को 7 किलोमीटर का लंबा चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा।

इस पहल की क्षेत्र में खूब सराहना हो रही है। समाजसेवी समर दीप सिंह ने बताया कि उनकी टीम और ग्रामीणों के सहयोग से अब तक क्षेत्र में दो दर्जन से अधिक स्थानों पर क्षतिग्रस्त संपर्क मार्गों और पगडंडियों को दुरुस्त किया जा चुका है। उनका मानना है कि अन्य लोगों को भी इसी तरह श्रम दान कर आवागमन को सुगम बनाना चाहिए।

प्रयागराज रेल मण्डल का माल लदान एवं आय में उत्कृष्ट प्रदर्शन

प्रयागराज। प्रयागराज मण्डल रेल प्रबन्धक रजनीश अग्रवाल के नेतृत्व में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबन्धक (गुड्स) अतुल यादव के निर्देशन एवं सभी विभागों के संगठित प्रयास से प्रयागराज मण्डल ने चालू वित्त वर्ष के दौरान माल लदान से आय अर्जन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। इस संबंध में जनसम्पर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बुधवार को बताया कि मण्डल प्रशासन के मार्गदर्शन में सीमेंट, खाद्यान्न, उर्वरक, खाद्य तेल, स्टोन फ्लाई ऐश एवं अन्य विविध वस्तुओं के माल लदान पर विशेष ध्यान दिया गया।

▶▶ **चालू वित्त वर्ष में माल ढुलाई 26.18 फीसदी एवं आय अर्जन में 15.35 प्रतिशत वृद्धि**

औद्योगिक इकाइयों, व्यापारिक संगठनों तथा लॉजिस्टिक भागीदारों के साथ सतत संवाद स्थापित कर उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। इससे न केवल मौजूदा ग्राहकों का विश्वास मजबूत हुआ, बल्कि नए ग्राहकों को भी रेल परिवहन से जोड़ने में सफलता मिली। उन्होंने बताया कि प्रयागराज मण्डल ने माल लदान एवं परिवहन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चालू वित्त वर्ष के दिसम्बर माह में 0.77 मिलियन टन माल लदान कर 80.26 करोड़ रुपये आय अर्जित की है। गत वित्त वर्ष के दिसम्बर माह की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष में माल लदान 26.18 फीसदी अधिक है एवं अर्जित आय 15.35 प्रतिशत अधिक है।

प्रयागराज मण्डल ने चालू वित्तीय वर्ष में अप्रैल से दिसम्बर तक कुल 5.62 मिलियन टन माल लदान कर 615.97 करोड़ रुपये आय अर्जित की है। गत वित्त वर्ष की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष में माल लदान 3.49 प्रतिशत अधिक है एवं अर्जित आय 1.75 प्रतिशत अधिक है। प्रयागराज मण्डल ने चालू वित्तीय वर्ष में सीमेंट लदान से 72.82 करोड़ रुपये आय अर्जित की यह आय गत वित्तीय वर्ष की तुलना में 56.60 प्रतिशत अधिक है, स्टोन लदान से 25.05 करोड़ रुपये आय अर्जित की यह आय गत वित्तीय वर्ष की तुलना में 23.21 प्रतिशत अधिक है एवं फ्लाई ऐश लदान से 6.43 करोड़ रुपये आय अर्जित की यह आय गत वित्तीय वर्ष की तुलना में 724.44 प्रतिशत अधिक है। पीआरओ ने बताया कि प्रयागराज मण्डल की यह उपलब्धि अधिकारियों एवं कर्मचारियों की प्रतिबद्धता, टीमवर्क, रियल टाइम इन्फोर्मेशन, नवाचारपूर्ण कार्यशैली एवं व्यापार सुगमता के साथ कार्य करने से प्राप्त हुई है।

करोड़ों रुपये लेकर सर्राफा व्यापारी फरार, पुलिस कर रही तलाश

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जनपद में करोड़ों रुपये लेकर सर्राफा व्यापारी जागेश्वर सोनी के रहस्यमय ढंग से गायब होने से परेशान छोटे व्यापारियों एवं कारीगरों ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग उठाई है। व्यापारियों ने सर्राफा व्यापारी पर करोड़ों रुपये लेकर चंपत होने का आरोप लगाया है। आरोपित व्यापारी पांच करोड़ रुपये से अधिक लेकर गायब हुआ है।

जनपद मुख्यालय में सोने चांदी के आभूषणों के कारीगरों प्रशांत, सुमित गुप्ता, ऋषभ गुप्ता आदि ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह सोना खरीदने का काम करते है। दो माह पूर्व बाजार में सर्राफा व्यापारी जागेश्वर सोनी के यहां सोना खरीदने के लिए लाखों रुपये जमा कर दिए। बताया कि सर्राफा व्यापारी जागेश्वर सोनी ने छोटे व्यापारियों का लगभत पांच करोड़ रुपये जमा करा लिए। बाद में सर्राफा व्यापारी दुकान और घर में ताला लगा गायब हो गया है। पीड़ित व्यापारियों का कहना है कि बाजार से करोड़ों रुपये उठाकर सर्राफा व्यापारी अपने बेटों पंकज, अंकुर और चंद्रेश के साथ चंपत हो गया। व्यापारी और उसके परिजनों के मोबाइल आदि बंद बता रहे हैं। कोतवाली पुलिस से पूरे मामले की जांच करा कार्रवाई की मांग उठाई है। बुधवार को सदर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनीष कुमार पांडेय ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है। आने वाले दिनों में अन्य पीड़ित व्यापारियों के नाम सामने आने की संभावना है।

सुलतानपुर में धान खरीदी बाधित, किसानों को भुगतान में देरी से नाराज विधायक ने अधिकारियों को फटकारा

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में किसानों की समस्याओं को लेकर सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ने बुधवार को कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने जयसिंहपुर सहकारी समिति के धान खरीद केंद्र का औचक निरीक्षण किया और धान खरीद व भुगतान में देरी पर अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी।

विधायक को पिछले कुछ दिनों से किसानों से लगातार शिकायतें मिल रही थीं। किसानों का कहना था कि धान दिए हुए उन्हें 10 दिन से अधिक हो गए हैं, लेकिन न तो उनके अंगूठे का निशान (बायोमेट्रिक) लग पा रहा है और न ही भुगतान उनके खातों में आया है। शिकायतों के बाद विधायक राज प्रसाद उपाध्याय अचानक धान केंद्र पर पहुंचे। वहां अधिकारी के न मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई। जांच में पता चला कि पीसीएफ (प्रोविंशियल कोऑपरेटिव फेडरेशन) के जिला अधीक्षक (डीएस) की लापरवाही के कारण बोरों की व्यवस्था नहीं हो पाई थी, जिससे पूरी खरीद प्रक्रिया बाधित थी। विधायक ने मौके से ही पीसीएफ विभाग के अधिकारी को फोन लगाकर फटकार लगाई। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यदि 10 मिनट के भीतर समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो वे जिलाधिकारी और शासन स्तर पर इसकी शिकायत करेंगे।

राज प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि किसान परेशान हैं, उन्हें गेहूं में खाद डालनी है और अन्य काम करने हैं। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि आपसी खींचतान और बोरों की कमी के बहाने अब नहीं चलेंगे। विधायक ने स्पष्ट किया कि यदि जनता बेहाल रहेगी, तो अधिकारियों को भी बेहाल कर दिया जाएगा।

विधायक ने केंद्र पर अधिकारियों की अनुपस्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने मोदी और योगी सरकार की मंशा को दोहराते हुए कहा कि किसानों के हितों पर डाका डालने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने भविष्य में ऐसी किसी भी लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी ।

फरार चल रहे लुटेरे को पुलिस ने किया गिरफ्तार, महिला कांस्टेबल से की थी लूट

कानपुर। महिला कांस्टेबल से लूट के मामले में फरार चल रहे आरोपित को सीसामऊ पुलिस ने सर्विलांस की सहायता से गिरफ्तार कर लिया है।

पकड़ा गया शातिर साल 2021 में आर्म्स एक्ट के मामले में जेल जा चुका है। पुलिस उपायुक्त मध्य श्रवण कुमार सिंह ने बुधवार को प्रेस वार्ता कर मामले का खुलासा करते हुए बताया कि सिविल लाइंस स्थित महिला थाने में बतौर कंप्यूटर ऑपरेटर तैनात महिला कांस्टेबल बीती 28 दिसंबर की सुबह अपनी ड्यूटी समाप्त कर चमनगंज स्थित अपने आवास जा रही थीं। तभी ऑटो से उतरते ही स्कूटी सवार दो अज्ञात लुटेरे झपट्टा मारकर उनका पर्स ले उड़े थे। इस मामले में पुलिस एक जनवरी को एक लुटेरे को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है जबकि उसका दूसरा साथी शहर छोड़कर फरारी काट रहा था। जिसे सर्विलांस की सहायता से ट्रेस कर गिरफ्तार कर लिया गया है। पकड़े गए शातिर के पास से सात सौ रुपये नकद और महिला कांस्टेबल से छीना हुआ ब्लूटूथ डिवाइस भी बरामद किया गया है।

पहचान बेकनगंज निवासी शयान रजा के रूप में हुई है। उसने बताया कि बीती 27 दिसंबर की रात अपने साथी के साथ शराब पार्टी की थी। पैसे खत्म होने के बाद अगली सुबह उन्होंने महिला से लूट की घटना को अंजाम दिया था। बताते चलें कि शातिर साल 2021 में आर्म्स एक्ट के मामले में जेल भी जा चुका है।

मानव अधिकारों का सम्मान है प्रगतिशील समाज की आधारशिला : प्रियंक कानूनगो

बिजनौर। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो की अध्यक्षता में जनपद स्तर पर मानवाधिकारों के संरक्षण एवं समावेशी विकास को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से संबंधित बैठक आज दोपहर विकास भवन सभागार में आयोजित हुई।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने कहा कि मानवाधिकारों का सम्मान और समावेशी विकास किसी भी समाज की प्रगति की आधारशिला है, इसके लिए सभी संबंधित विभागों को संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा। वास्तविक समावेशी विकास तभी संभव है, जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक मानवाधिकारों की पहुंच सुनिश्चित हो। बिना भेदभाव के विकास की मुख्यधारा में सभी की भागीदारी अनिवार्य है। उन्होंने निर्देश दिए कि जेल में 70 वर्ष से अधिक आयु वाले बंदियों सहित वृद्धा पेंशन एवं विधवा पेंशन के 70 वर्ष पूर्ण कर चुके लाभार्थियों को आयुष्मान योजना से आच्छादित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने न्यायिक पीठ बाल कल्याण समिति के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि अनाथ अथवा ऐसे बच्चे जो अपने मां-बाप को नहीं जानते, उनको गोद दिलाने की प्रक्रिया शुरू करें। मानवाधिकारों के सिद्धांतों को सरकारी नीतियों और योजनाओं के क्रियान्वयन में शामिल किया जाए ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुँचाया जाए। जमीनी स्तर पर मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए विशेष शिविरों और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए। उन्होंने महिलाओं, बच्चों, दिव्यांगों और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के अधिकारों की सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में उन्होंने महिला कल्याण, किशोर न्याय बोर्ड, बाल कल्याण समिति, एएचटीयू, जिला कारागार, अल्पसंख्यक कल्याण एवं समाज कल्याण विभाग, जिला पंचायत राज विभाग, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता विभाग, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण सहित अन्य संबंधित विभागों की बिंदुवार समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए।

मलेशिया ओपनः पीवी सिंधू ने संघर्षपूर्ण जीत से प्री क्वार्टरफाइनल में किया प्रवेश

कुआलालंपुर। चोट के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रहने के बाद वापसी कर रही भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू ने बुधवार को यहां मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के महिला एकल के पहले दौर में चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पूर्व विश्व चैंपियन 30 वर्षीय सिंधू पिछले साल अक्टूबर में पैर की चोट से उबरने के लिए सभी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिताओं से हट गई थी। उन्होंने वापसी पर अच्छा खेल दिखाया तथा 51 मिनट तक चले मुकाबले में सुंग को 21-14, 22-20 से हराया।

हालांकि ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो की विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी 56 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में प्रेस्ली स्मिथ और जेनी गाई की अमेरिकी जोड़ी से 15-21, 21-18, 15-21 से हारकर बाहर हो गई। विश्व में 18वीं रैंकिंग सिंधू ने सहज खेल दिखाया और सुंग को दूसरी बार हराकर उनके खिलाफ अपना रिकॉर्ड 2-0 कर लिया। उनका अगला मुकाबला विश्व में नौवें नंबर की जापानी खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी से होगा। मियाजाकी जब 21-19, 1-2 से आगे चल रही थी, तब दक्षिण कोरिया की उनकी प्रतिद्वंदी सिम यू जिन चोटिल होने के कारण मुकाबले से हट गई थी जिससे जापान की खिलाड़ी अगले दौर में जगह बनाने में सफल रही। सिंधू ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले गेम में 6-2 की बढ़त हासिल कर ली और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्हें पहला गेम अपने नाम करने में कोई दिक्कत नहीं हुई लेकिन दूसरे गेम में उन्हें संघर्ष करना पड़ा। दूसरे गेम में सिंधू एक समय 4-11 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने इसके बाद अच्छी वापसी की और स्कोर 13-13 से बराबर कर दिया। लेकिन 28 वर्षीय सुंग ने हार नहीं मानी और 17-14 पर तीन अंक की बढ़त हासिल कर ली।

भारतीय खिलाड़ी ने फिर से अपने जुझारूपन का अच्छा प्रदर्शन करते हुए वापसी की और स्कोर 17-17 से बराबर कर दिया। सिंधू ने 20-20 के स्कोर के बाद अगले दो अंक हासिल करके मैच जीत लिया।

इंडिया ओपन के पहले दौर में लक्ष्य का आयुष से और पीवी सिंधू का लिन गुयेन से होगा सामना

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ियों को इस महीने होने वाले इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में मुश्किल ड्रॉ मिला है जिसमें 2022 के चैंपियन लक्ष्य सेन पहले दौर में हमवतन आयुष शेट्टी से भिड़ेंगे जबकि महिला एकल में पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधू का सामना वियतनाम की थुई लिन गुयेन से होगा। बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर के सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों में से एक इंडिया ओपन 13 से 18 जनवरी तक इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेला जाएगा। प्रतियोगिता अगस्त में इसी स्थान पर होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण होगी। भारतीय खिलाड़ियों पर नजर डालें तो सेन को अपने पहले मुकाबले में ही पूर्व विश्व जूनियर कांस्य पदक विजेता शेट्टी की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। इस प्रतियोगिता में शामिल चार भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ियों में से केवल तीन ही दूसरे दौर में पहुंच पाएंगे।

सेन और शेट्टी के बीच मैच का विजेता अगले दौर में चीनी ताइपे के चौथे वरीय चोउ तिएन चेन या जापान के केंटा निशिमोटो से भिड़ेगा। पुरुष एकल में शामिल भारत के अन्य खिलाड़ियों में किदांबी श्रीकांत का मुकाबला 2024 में चीनी ताइपे की थॉमस कप कांस्य पदक विजेता टीम के सदस्य और विश्व में 12वें नंबर के खिलाड़ी लिन चुन यी से होगा। अगर वह पहली बाधा पार करने में सफल रहते हैं तो दूसरे दौर में उनका सामना क्रिस्टो पोपोव से हो सकता है। डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन के हटने के बाद मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने वाले एच एस प्रणय हांगकांग के ली चेउक यिउ के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। महिला एकल में सिंधू का मुकाबला गुयेन से होगा, जिनके खिलाफ भारतीय खिलाड़ी अपने पिछले दोनों मैच में हार चुकी हैं। अगर भारतीय खिलाड़ी विश्व रैंकिंग में 22वें स्थान पर काबिज गुयेन को हरा देती हैं तो दूसरे दौर में उनका मुकाबला दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झी यी या चीन की उनकी साथी गाओ फांग जी से होगा। भारत की एक अन्य खिलाड़ी मालविका बंसोड़ का सामना पहले दौर में चीनी ताइपे की पाई यू पो से होगा। पहले दौर के अन्य दिलचस्प मुकाबलों में शीर्ष वरीयता प्राप्त आन से यंग का सामना पूर्व विश्व चैंपियन नोजोमी ओकुहारा से, जबकि तीसरी वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची का मुकाबला हमवतन जापानी खिलाड़ी रिको गुंजी से होगा।

पुरुष युगल में पूर्व चैंपियन चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की जोड़ी को पहले दौर में अमेरिका के चेन झी यी और प्रेस्ली स्मिथ का सामना करना होगा। भारतीय जोड़ी को असली चुनौती क्वार्टर फाइनल में मिलेगी जहां उनका सामना चीन के चेन बो यांग और लियू यी की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से हो सकता है। महिला युगल में त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद का मुकाबला थाईलैंड की ओर्निचा जोंगसाथपोर्नपर्न और सुकिट्टा सुवाचाई से होगा। पहला मैच जीतने के बाद दूसरे दौर में उनका सामना ली यी जिंग और लूओ जू मिन की चीन की सातवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से हो सकता है।

कोको गॉफ ने अमेरिका को यूनाइटेड कप के सेमीफाइनल में पहुंचाया

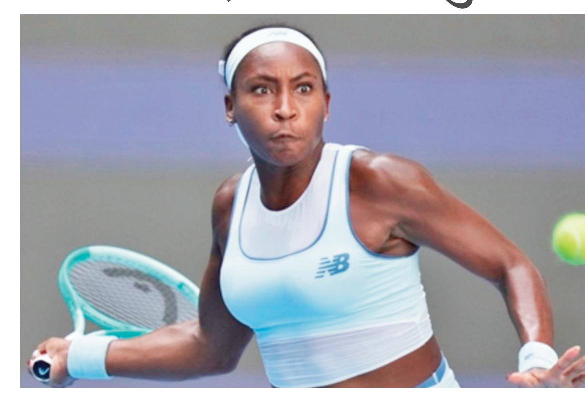

पर्थ। कोको गॉफ ने ग्रुप चरण के एक मैच में हार को पीछे छोड़कर बुधवार को यहां शानदार प्रदर्शन करके अपने एकल और युगल मैच जीते जिससे मौजूदा चैंपियन अमेरिका ने यूनान को 2-1 से हराकर यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई।

गॉफ ने मारिया सकारी को 6-3, 6-2 से हराकर अमेरिका को 1-0 से बढ़त दिलाई। टेलर फ्रिट्ज हालांकि पुरुष एकल में स्टेफानोस सिटसिपास से वह 6-4, 7-5 से हार गए। गॉफ ने इसके बाद क्रिश्चियन हैरिसन के साथ मिलकर मिश्रित युगल में सिटसिपास और सकारी को 4-6, 6-4, 10-8 से हराकर अमेरिका की सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित की। विश्व रैंकिंग में चौथे नंबर की खिलाड़ी गॉफ को इससे पहले ग्रुप चरण की अपने आखिरी एकल मैच में हार का सामना करना पड़ा था। वह विश्व में 42वें नंबर की खिलाड़ी जेसिका बौज़ास मानेरो से 6-1, 6-7 (3), 6-0 से हार गईं थी।

लेकिन फ्रिट्ज ने अपना एकल मैच जीता तथा गॉफ और हैरिसन ने मिश्रित युगल में जीत हासिल करके अमेरिकी टीम को क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया। सिडनी में खेले जा रहे मैचों में ह्यूबर्ट हुरकाज और इगा स्वियातेक ने अपने अपने एकल मैच जीतकर पोलैंड को नीदरलैंड पर 2-0 की बढ़त दिलाई और ग्रुप एफ से क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। क्वार्टरफाइनल में पोलैंड का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होने की संभावना है।

ICC महिला टी-20 विश्व कप 2026 क्वालिफायर का कार्यक्रम घोषित

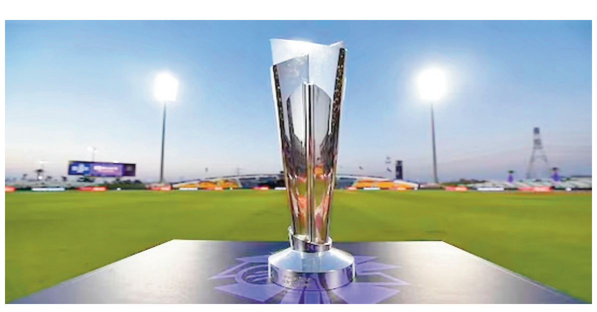

नई दिल्ली। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप क्वालिफायर 2026 के पूरे कार्यक्रम की पुष्टि कर दी गई है। सुपर सिक्स चरण सहित सभी मुकाबलों का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। टूर्नामेंट 18 जनवरी से 1 फरवरी तक नेपाल में आयोजित होगा, जिसमें कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी। ये टीमें इंग्लैंड और वेल्स में जून-जुलाई में होने वाले आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप के लिए चार क्वालिफिकेशन स्थानों के लिए मुकाबला करेंगी।

वार्म-अप मैचः टूर्नामेंट से पहले वार्म-अप मुकाबले 14 और 16 जनवरी को त्रिभुवन यूनिवर्सिटी क्रिकेट ग्राउंड, अपर मुलपानी क्रिकेट ग्राउंड और लोअर मुलपानी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जाएंगे। ग्रुप चरण की शुरुआत 18 जनवरी से होगी, जिसके बाद सभी प्रतिस्पर्धी मैच केवल त्रिभुवन यूनिवर्सिटी क्रिकेट ग्राउंड और अपर मुलपानी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जाएंगे।

टूर्नामेंट की शुरुआतः पहले दिन सुबह के सत्र (स्थानीय समयानुसार सुबह 9 बजे) में नेपाल का सामना थाईलैंड से होगा, जबकि बांग्लादेश और अमेरिका आमने-सामने होंगे। दोपहर सत्र (दोपहर 1 बजे) में जिम्बाब्वे बनाम नीदरलैंड्स और आयरलैंड बनाम पापुआ न्यू गिनी के मुकाबले खेले जाएंगे। स्कॉटलैंड और नामीबिया अपने अभियान की शुरुआत 20 जनवरी से करेंगे। ग्रुप चरण में हर दूसरे दिन चार मुकाबले खेले जाएंगे और यह चरण 26 जनवरी को समाप्त होगा। ग्रुप ए और ग्रुप बी की शीर्ष तीन टीमें सुपर सिक्स चरण में प्रवेश करेंगी।

सुपर सिक्स मुकाबले 28 जनवरी, 30 जनवरी और 1 फरवरी को खेले जाएंगे, जिनके आधार पर चार टीमें महिला टी-20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई करेंगी।

एशियाड स्वर्ण पदक विजेता और 1500 मी के राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी जॉनसन ने की संन्यास की घोषणा

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और भारतीय धावक जिन्सन जॉनसन ने बुधवार को संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि 15 वर्षों के करियर के बाद अब कुछ नया करने का समय आ गया है। केरल के इस 34 वर्षीय एथलीट ने कहा कि उनका सफर 'मुश्किल ट्रेनिंग, संघर्षों और दर्दनाक चोटों' से भरा रहा। जॉनसन ने अक्टूबर 2023 में हांग्झोउ एशियाई खेलों में 1500 मीटर में कांस्य पदक जीतने के बाद से किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है।

उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ क्षण 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में 1500 मीटर में तीन मिनट 44.72 सेकेंड के समय से स्वर्ण पदक जीतना रहा। इन्हीं खेलों में उन्होंने 800 मीटर में रजत पदक भी जीता था। जॉनसन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, "सपने देखने वाले लड़के की यात्रा कोलकाता स शुरू हुई और 2023 हांग्झोउ एशियाई खेलों के पोडियम तक पहुंची। धन्यवाद, एथलेटिक्स।" इस एथलीट ने लिखा, "कुछ यात्राएं मीटर और सेकेंड में मापी जाती हैं। कुछ आंसुओं, बलिदानों, आस्था और उन लोगों से देखी जाती हैं जो आपको कभी गिरने नहीं देते।"

जॉनसन ने 2018 में गुवाहाटी में राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप के दौरान एक मिनट 45.65 सेकेंड का समय निकालकर महान एथलीट श्रीराम सिंह का 42 साल पुराना पुरुषों का 800 मीटर राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था। हालांकि यह रिकॉर्ड 2025 में मोहम्मद अफसल ने तोड़ दिया।

जैकब बेथेल के पहले टेस्ट शतक से इंग्लैंड की उम्मीद कायम

सिडनी। जैकब बेथेल ने बुधवार को अपना पहला टेस्ट शतक बनाया जिससे इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवां और अंतिम एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच पांचवें दिन तक खींचकर अपनी उम्मीद भी कायम रखी। बारबाडोस में जन्मे 22 वर्षीय ऑलराउंडर बेथेल इंग्लैंड की दूसरी पारी के पहले ओवर में क्रीज पर आए क्योंकि मिशेल स्टार्क ने पांचवीं गेंद पर जैक क्रॉली (01) को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया था। बेथेल ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक 232 गेंद का सामना करके 142 रन बनाए हैं। उनकी इस शानदार पारी की बदौलत इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी में आठ विकेट पर 302 रन बनाए हैं। इस तरह से इंग्लैंड ने अभी तक 119 रन की बढ़त हासिल कर ली है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 567 रन बनाकर 183 रन की बढ़त हासिल की थी।

इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 384 रन बनाए थे। बेथेल ने बेन डकेट (42) के साथ 81 रन, जो रूट (06) के साथ 32, हैरी ब्रूक (42) के साथ 102 और जेमी स्मिथ (26) के साथ 45 रन की साझेदारियां की। ऑस्ट्रेलिया पहले तीन मैच जीत कर एशेज अपने पास बरकरार रखने में सफल रहा लेकिन चौथे मैच में जीत दर्ज करने वाला इंग्लैंड श्रृंखला में हार के अंतर को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। बेथेल ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, "यह उपलब्धि मेरे लिए खास है। मेरा परिवार यहां आया हुआ है और ऐसे में शतक लगाना बेहद खास बन गया है।" बेथेल ने एक छोर से विकेट गिरने के बावजूद अपने धैर्य और कौशल का अच्छा नमूना पेश किया। ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर (51 रन देकर तीन विकेट) ऑस्ट्रेलिया की तरफ से अप्रत्याशित स्टार के रूप में उभरे। वेबस्टर ने 52वें ओवर में तीन गेंदों पर दो विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को वापसी दिलाई। उन्होंने ब्रुक को एलबीडब्ल्यू आउट किया और फिर विल जैक्स (00) को भी पवेलियन भेजा, जिन्होंने बेवजह शॉट खेलने की कोशिश में कैमरन ग्रीन को आसान कैच दिया। इससे इंग्लैंड का स्कोर तीन विकेट पर 219 रन से पांच विकेट पर 219 रन हो गया।

शाम के सत्र में ड्रिंक्स ब्रेक के बाद पहली ही गेंद पर जेमी स्मिथ रन आउट हो गए। उस समय बेथेल 123 रन पर थे और इंग्लैंड का स्कोर छह विकेट पर 264 रन था, जब उसके चोटिल कप्तान बेन स्टोक्स क्रीज पर आए। वेबस्टर ने हालांकि स्टोक्स (01) को टर्निंग बॉल को कट करने के लिए ललचाया और स्टीव स्मिथ ने स्लिप में शानदार कैच लिया। स्कॉट बोलैंड ने ब्रायडन कार्स (16) को स्लिप में कैच आउट कराया। यह उनका इस पारी में दूसरा विकेट था। इससे पहले उन्होंने रूट को एलबीडब्ल्यू आउट किया था। ऑस्ट्रेलिया ने सुबह अपनी पहली पारी सात विकेट पर 518 रन से आगे बढ़ाई लेकिन उसने अपने बाकी बचे तीन विकेट 49 रन जोड़कर गंवा दिए। सुबह के सत्र में इंग्लैंड को तब झटका लगा जब स्टोक्स को चोटिल होने के कारण मैदान छोड़ना पड़ा।

उन्होंने 10 गेंदें फेंकीं और फिर दाहिनी मांसपेशी में दर्द के इलाज के लिए मैदान से बाहर चले गए। बल्लेबाजी करते समय उन्हें चलने में परेशानी महसूस हो रही थी। ऑस्ट्रेलिया की पारी में ट्रैविस हेड (169) और स्टीव स्मिथ (138) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया जबकि ऑलराउंडर वेबस्टर 71 रन बनाकर नाबाद रहे। स्मिथ ने सुबह 129 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई लेकिन उन्होंने जल्द ही जोश टोंग की गेंद पर विकेटकीपर को कैच दे दिया, जिससे उनके और वेबस्टर के बीच आठवें विकेट के लिए 107 रन की साझेदारी समाप्त हो गई। आखिरी दो विकेट छह गेंदों के भीतर गिरे। स्टार्क (05) टोंग की फुललेंथ गेंद पर बोल्ड हो गए जबकि ऑफ स्पिनर विल जैक्स ने बोलैंड को पहली स्लिप में कैच आउट करवाया।

एटर्नल को 3.7 करोड़ रुपये की जीएसटी मांग को लेकर नोटिस

नई दिल्ली। जोमैटो और ब्लिंकिट की मूल कंपनी एटर्नल को अप्रैल 2019 से मार्च 2020 की अवधि के लिए ब्याज और जुर्माने सहित 3,69,80,242 रुपये का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की मांग को लेकर आदेश प्राप्त हुआ है। यह आदेश पश्चिम बंगाल के अतिरिक्त राज्य कर आयुक्त (अपील) ने पारित किया। एटर्नल ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि उत्पादन पर लगने वाले कर के कम भुगतान के संबंध में ब्याज और जुर्माने सहित मांग आदेश प्राप्त हुआ है। कंपनी के अनुसार, उसका मानना है कि मामला उसके पक्ष में है और इस आदेश के खिलाफ संबंधित प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर करेगी। एटर्नल ने कहा कि उसे पश्चिम बंगाल के अतिरिक्त राज्य कर आयुक्त (अपील) द्वारा अप्रैल 2019 से मार्च 2020 की अवधि के लिए छह जनवरी 2026 को पारित एक आदेश प्राप्त हुआ है।

तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए भारत को आयात घटाना और निर्यात बढ़ाना होगाः गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि अगर भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना है, तो उसे आयात घटाने और निर्यात बढ़ाने पर खास ध्यान देना होगा। गडकरी ने सीएसआईआर के 'प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समारोह' को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि अपशिष्ट (एग्रो-वेस्ट) को उपयोगी संसाधन में बदला जा सकता है, जिससे न केवल किसानों को फायदा होगा बल्कि कच्चे तेल के आयात पर देश की निर्भरता भी कम की जा सकेगी।

उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में पेट्रोलियम-रहित घटक बायो-बिटुमेन का इस्तेमाल 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में एक रूपांतरकारी कदम है। गडकरी ने कहा, ₹एग्रो-वेस्ट के उपयोग से पराली जलाने से होने वाला प्रदूषण घटेगा और संसाधनों के अधिकतम इस्तेमाल पर आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।₹ उन्होंने कहा कि यदि वाहन ईंधन में 15 प्रतिशत मिलावट की जाए तो भारत करीब 4,500 करोड़ डॉलर की विदेशी मुद्रा बचा सकता है और आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता में बड़ी कमी आ सकती है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि फिलहाल दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भारत को तीसरे स्थान पर पहुंचने के लिए अपना आयात घटाने और निर्यात को बढ़ाने की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि भारत व्यावसायिक स्तर पर बायो-बिटुमेन का उत्पादन शुरू करने वाला दुनिया का पहला देश है। इससे किसानों को अतिरिक्त आय के अवसर मिलेंगे, ग्रामीण रोजगार बढ़ेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। मंत्री ने बायो-बिटुमेन के इस्तेमाल को टिकाऊ विकास, आत्मनिर्भरता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार वृद्धि की दिशा में केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का उदाहरण बताया। गडकरी ने कृषि और निर्माण उपकरण विनिर्माताओं से वैकल्पिक ईंधन और फ्लेक्स-इंजन आधारित वाहनों को बढ़ावा देने की अपील की।

उन्होंने बताया कि सरकार ने हरित हाइड्रोजन से चलने वाले ट्रकों के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों में 10 राजमार्ग खंड चिन्हित किए हैं। लेकिन उन्होंने हाइड्रोजन ईंधन के परिवहन को एक बड़ी चुनौती बताया। गडकरी ने कहा कि भारत को ऊर्जा का आयातक नहीं, बल्कि निर्यातक बनना चाहिए। गडकरी ने कहा कि देश हर साल करीब 22 लाख करोड़ रुपये जीवाश्म ईंधन के आयात पर खर्च करता है, जिसकी वजह से प्रदूषण की समस्या भी बढ़ रही है।

जेमिमा रोड्रिग्स हेलमेट विनिर्माता 'ट्वारा' की बनी निवेशक भागीदार

नई दिल्ली। महिलाओं के लिए विशेष हेलमेट बनाने वाली कंपनी ट्वारा ने भारतीय महिला क्रिकेटर जेमिमा रोड्रिग्स को निवेशक भागीदार बनाने की बुधवार को घोषणा की। कंपनी ने बयान में कहा कि इस दीर्घकालिक, इक्विटी-आधारित साझेदारी के तहत रोड्रिग्स ब्रांड के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को आकार देने, जिम्मेदार 'राइडिंग' को बढ़ावा देने और महिलाओं द्वारा अपनी सुरक्षा एवं महत्वाकांक्षाओं की बागडोर संभालने से संबंधित चर्चाओं को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाएंगी। रोड्रिग्स ने कहा कि खेल आपको तैयारी, निरंतरता और विश्वास करना सिखाता है। रोजमर्रा की जिंदगी महिलाओं को भी यही चीजें सिखाती है। बेहतर परिवहन व्यवस्था, आत्मविश्वास बढ़ती है। सुरक्षा, साहस बढ़ाती है। ट्वारा इन दोनों का अंजाम दे रही है और इसीलिए यह साझेदारी मुझे बेहद निजी प्रतीत होती है।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 31 पैसे मजबूत होकर 89.87 पर हुआ बंद

मुंबई। रुपया बुधवार को 31 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.87 (अस्थायी) पर बंद हुआ। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.20 पर खुला और 89.75-90.23 के दायरे में कारोबार करने के बाद 89.87 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से 31 पैसे अधिक है।

रुपया मंगलवार को 12 पैसे की मजबूती के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.18 पर बंद हुआ था। फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स के कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार भंसाली ने कहा, " रुपये में मजबूती आई... क्योंकि आरबीआई ने 90.23 के स्तर पर डॉलर बेचे जिससे यह संकेत मिला कि मुद्राओं की एकतरफा चाल बाजार में स्वीकार्य नहीं है।

फिलहाल रुपये की दिशा के बारे में कुछ कहना मुश्किल है लेकिन जनवरी में यह 89.50-90.50 के दायरे में रह सकता है।₹ इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत बढ़कर 98.65 पर रहा।

शेयर बाजार में तीसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 102 अंक टूटा

मुंबई। शेयर बाजार में बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 102 अंक टूटा जबकि एनएसई निफ्टी 38 अंक नुकसान में रहा। वैश्विक स्तर पर तनाव और अमेरिकी शुल्क बढ़ने को लेकर चिंताओं के बीच कारोबारी धारणा प्रभावित होने से बाजार में गिरावट आई। विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी जारी रहने से भी बाजार प्रभावित हुआ।

तीस शेयर पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 102.20 अंक यानी 0.12 प्रतिशत टूटकर 84,961.14 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसमें 445.85 अंक यानी 0.52 प्रतिशत तक की गिरावट आई थी। पचास शेयर पर आधारित एनएसई निफ्टी 37.95 अंक यानी 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,140.75 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से मारुति, पावर ग्रिड, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स और टाटा स्टील के शेयर प्रमुख रूप से नुकसान में रहें। दूसरी ओर, लाभ में रहने वाले शेयर में टाइटन, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज शामिल हैं। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "2026 की तीसरी तिमाही के नतीजों और अमेरिका के महत्वपूर्ण रोजगार आंकड़ों से पहले जोखिम से बचने के संकेतों के कारण घरेलू बाजार का माहौल सतर्क बना हुआ है। तिमाही आधार पर कंपनियों के मुनाफे में सुधार की उम्मीद है लेकिन वैश्विक बाजार में अनिश्चितता के बीच विदेशी संस्थागत निवेशक जोखिम से बचने की कोशिश कर रहे हैं।"

ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा, "भारतीय शेयर बाजार आज के सत्र में सुस्त और सतर्क रुख के साथ समाप्त हुए। निवेशकों ने मिश्रित घरेलू और वैश्विक संकेतों के बीच चयनात्मक दृष्टिकोण अपनाया। बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और शुल्क संबंधी नई चिंताओं ने जोखिम लेने की प्रवृत्ति को सीमित रखा और आक्रामक निवेश को हतोत्साहित किया।" शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 107.63 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 1,749.35 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का शंघाई कम्पोजिट सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि जापान का निक्की सूचकांक तथा हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के ज्यादातर प्रमुख बाजारों में दोपहर तक कारोबार में गिरावट का रुख रहा। अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.81 प्रतिशत टूटकर 60.21 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर रहा। सेंसेक्स में मंगलवार को 376.28 अंक की गिरावट आई थी जबकि एनएसई निफ्टी 71.60 अंक टूटा था।

सीएमएस को एसबीआई की एटीएम देखरेख के लिए मिला 1000 करोड़ रुपये का ठेका

मुंबई। नकदी प्रबंधन पर केंद्रित सीएमएस इंफो सिस्टम्स को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) से उसकी 5000 ऑटोमेटेड टेलर मशीनों (एटीएम) की देखरेख करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। सीएमएस को यह ठेका 1 जनवरी से 10 साल के लिए मिला है। सीएमएस इंफो सिस्टम्स ने बुधवार को जानकारी दी कि उसे एसबीआई की 5 हजार ऑटोमेटेड टेलर मशीनों (एटीएम) की देखभाल के लिए 1,000 करोड़ रुपये का ठेका एक जनवरी से 10 साल के लिए मिला है। इसमें प्रबंधित सेवाएं, नकदी दक्षता में सुधार और एटीएम की कार्यक्षमता में वृद्धि शामिल है, जिससे लाखों बैंक ग्राहकों को लाभ होगा। कैश लॉजिस्टिक्स सीएमएस इंफो सिस्टम्स के मुख्य व्यापार अधिकारी अनुष राघवन ने कहा कि इस ठेके से राजस्व में 500 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वृद्धि होगी। उन्होंने कहा, "यह दीर्घकालिक अनुबंध लाखों उपभोक्ताओं को निर्बाध स्व-सेवा बैंकिंग के साथ स्थिरता एवं उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करेगा।"

साई पल्लवी

अब बॉलीवुड में भी धूम मचाने को तैयार

मुंबई। साउथ की शानदार एक्ट्रेस साई पल्लवी अब बॉलीवुड में भी रणबीर कपूर स्टारर फिल्म के साथ डेब्यू करने की तैयारी कर रही हैं। साल 2026 और 2027 में साई पल्लवी बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने की पूरी तैयारी कर रही हैं। दरअसल उनकी कई धमाकेदार फिल्में लाइन से रिलीज होने वाली हैं। इनमें से बॉलीवुड की दो पार्ट वाली माइथोलॉजिकल एपिक फिल्म रामायण से मेरे रहों तक शामिल हैं। इन फिल्मों से वे हिंदी सिनेमा में एंट्री करेंगी। उनकी अपकमिंग फिल्मों की लिस्ट ये है। साई पल्लवी की मच अवेटेड फिल्मों में रणबीर कपूर स्टारर एक लार्ज स्केल माइथोलॉजिकल एपिक फिल्म रामायण पार्ट 1 है। ये फिल्म दिवाली 2026 को रिलीज होने वाली है। इस पौराणिक फिल्म में साई पल्लवी माता सीता के किरदार में नजर आएंगीं। फिलहाल ये फिल्म पोस्ट प्रोडक्शन में हैं। इसके बाद रामायण का पार्ट 2 दिवाली 2027 को रिलीज होगी। यह सीक्वल राम, सीता और रावण की गाथा को आगे बढ़ाएगा, जो भारतीय सिनेमा की सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक है। अगर साई पल्लवी दोनों भागों में सीता की भूमिका निभाती हैं, तो वह यकीनन से अपनी जनरेशन की सबसे शानदार अभिनेत्रियों में शुमार हो जाएंगी। ये फिल्म नमित मल्होत्रा द्वारा प्रोड्यूस दंगल के निर्देशक नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित है। फिल्म की स्टार कास्ट में रणबीर कपूर और साई पल्लवी के अलावा यश, सनी देओल, रवि दुबे, लारा दत्ता, रकुल प्रीत सिंह सहित कई बड़े कलाकार शामिल हैं। साई पल्लवी आमिर खान के बेट जुनैद खान संग भी फिल्म मेरे रहो में नजर आएंगीं। ये एक हिंदी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। इसे 2025 में रिलीज होना था लेकिन फिर इसे समर 2026 के लिए पोस्टपोन्ड कर दिया गया है। फिलहाल इसकी रिलीज होने की तारीख तय होनी बाकी है। सुनील पांडे द्वारा निर्देशित फिल्म मेरे रहो जुनैद की सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली दूसरी फिल्म होगी। वहीं, साई पल्लवी इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। गौतम तिन्ननुरी द्वारा निर्देशित ये एक बायोपिक फिल्म है। जिसमें साई आइकॉनिक सिंगर का किरदार निभाएंगी ये एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट होने की उम्मीद है। इसकी रिलीज डेट अनआउंस होना बाकी है। बता दें कि साईं पल्लवी साउथ की शानदार एक्ट्रेस में से एक हैं। उनकी फैन फॉलोइंग भी जबरदस्त है। साईं उन अदाकाराओं में से एक हैं जो अपनी दमदार एक्टिंग की बदौलत दर्शकों के दिलों पर राज करती हैं। उन्होंने अपने अब तक के करियर में कई हिट फिल्में दी हैं।

रानी मुखर्जी और अक्षय कुमार ओह माय गॉड 3 में साथ आएंगे नजर

मुंबई। बॉलीवुड की अपकमिंग फिल्म ओह माय गॉड 3 में रानी मुखर्जी और अक्षय कुमार एक साथ नजर आएंगे। रानी की एंट्री से कहानी में ताजगी और गंभीरता दोनों आ गई है। फिल्म से जुडे सूत्र ने कहा कि यह हाल के वर्षों की सबसे बड़ी कास्टिंग में से एक है। 'ओह माय गॉड' अक्षय कुमार की सबसे फेवरिट फ्रेंचाइजी में से एक है और रानी मुखर्जी के जुड़ने से यह और बड़ी हो गई है। उनकी मौजूदगी से कहानी में जबरदस्त गंभीरता और फ्रेशनेस आएगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, रानी मुखर्जी के जुड़ने से 'ओह माय गॉड 3' का लेवेल और इमोशनल इंटेसिटी काफी बढ़ जाएगी। सूत्र ने यह भी बताया कि अक्षय कुमार तीसरी फिल्म के साथ फ्रेंचाइजी का दायरा बढ़ाना चाहते थे और हर पहलू को और बड़ा और प्रभावशाली बनाना चाहते थे। 'ओह माय गॉड 3' फिलहाल प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है और उम्मीद है कि इसकी शूटिंग 2026 के मध्य तक शुरू हो जाएगी। निर्देशक अमित राय, जिन्होंने 'ओएमजी 2' बनाई थी। कहा जा रहा है कि उन्होंने इस बार पहले से ज्यादा बड़ी, सामाजिक रूप से प्रासंगिक और दमदार कहानी तैयार की है। सूत्र ने आगे कहा कि निर्देशक अमित राय ने इस बार पहले से बड़ी, ज्यादा प्रासंगिक और दमदार कहानी तैयार की है। अक्षय कुमार चाहते थे कि 'ओएमजी 3' हर मामले में पहले से बड़ी हो, चाहे वह कहानी हो, भावनाएं हों या एक्टिंग। रानी के जुड़ने से फिल्म और भी बड़ी हो गई है। 'ओह माय गॉड' फ्रेंचाइजी ने हिंदी सिनेमा में अपनी अलग पहचान बनाई है, जिसमें सामाजिक मुद्दों को हास्य और पॉपुलैरिटी के साथ पेश किया गया है। पहली दो फिल्में न सिर्फ कमर्शियल हिट रहीं, बल्कि अपने विषयों को लेकर काफी चर्चा में भी रहीं। यही वजह है कि तीसरी फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है।

ब्रांड नेम के पीछे की सोच का खुलासा किया रणबीर कपूर ने

मुंबई। अपने लाइफस्टाइल ब्रांड एआरकेएस के नाम को लेकर चल रही सभी अफवाहों पर बॉलीवुड सुपरस्टार रणबीर कपूर ने विराम लगा दिया है। उन्होंने ब्रांड के ऑफिशियल इंस्टाग्राम और यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे फैक्ट्री का टूर करते हुए एआरकेएस के बारे में खुलकर बात करते नजर आए। रणबीर कपूर के ब्रांड एआरकेएस के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल और यूट्यूब चैनल पर हाल ही में एक वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें उन्होंने दर्शकों के सवालों के जवाब देते हुए ब्रांड के नाम के पीछे की सोच का खुलासा किया। वीडियो में रणबीर ने यह भी बताया कि यह मैन्युफैक्चरिंग यूनिट पहले उनके ब्रदर-इन-लॉ (जीजा) भारत साहनी की थी। वीडियो में रणबीर कपूर बताते हैं कि ब्रांड की शुरुआत सिर्फ स्नीकर्स से हुई थी। उन्होंने कहा, 'हम शुरू में इसे रणबीर कपूर शू के तौर पर लॉन्च करना चाहते थे। कई नाम सोचे गए जैसे रणबीर कपूर स्टूडियो फिर मैंने सोचा कि नाम का कोई खास मतलब होना जरूरी नहीं। एआरकेएस नाम सुनते ही और लोगो (एलओजीओ) देखते ही सब कुछ क्लिक हो गया। यह बस फिट बैठ गया'। रणबीर ने आगे कहा कि नाम में कई अलग-अलग मतलब हैं, लेकिन कोई एक खास वजह नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि ब्रांड की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट पहले उनके जीजा भरत साहनी की थी, जो अब एआरकेएस का हिस्सा बन चुके है। 42 साल के रणबीर ने अपनी पर्सनल ग्रोथ पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'जैसे-जैसे उम्र बढ़ रही है, मेरी मटेरियल चीजों की चाहत कम हो रही है। लेकिन एक अच्छी टी-शर्ट या डेनिम जैकेट हर वक्त पहनने लायक होती है। यहीं एआरकेएस आता है। हमारा प्लान है कि ब्रांड को एथलीजर, अंडरवियर और फर्नीचर जैसे क्षेत्रों में विस्तार दें। एआरकेएस के तहत हम एक सेंसिबिलिटी, एक एस्थेटिक और पूरा लाइफस्टाइल बेचना चाहते हैं।'

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की मध्यावधि चुनावों से पहले रिपब्लिकन से एकजुट रहने की अपील

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2026 के मध्यावधि चुनावों में पार्टी की बड़ी जीत का दावा करते हुए हाउस रिपब्लिकन सदस्यों से एकजुट रहने और राजनीतिक इतिहास को बदलने का आह्वान किया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने एक बैठक में स्पीकर माइक जॉनसन का समर्थन किया और सभी सदस्यों को अपने एजेंडे के साथ एकजुट करने की कोशिश की। राष्ट्रपति ट्रंप ने सभा में कहा है कि रिपब्लिकन एक अभूतपूर्व परिणाम की स्थिति में है। उन्होंने कहा कि अब हम इतिहास रचने जा रहे हैं और शानदार मध्यावधि चुनाव में जीत के साथ रिकॉर्ड तोड़ेंगे, जिसे हम हासिल करने वाले हैं। मध्यावधि चुनाव आम तौर पर व्हाइट हाउस में सत्तारूढ़ पार्टी के लिए मुश्किल माने जाते हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसको स्वीकार किया, लेकिन तर्क दिया कि उनकी राष्ट्रपति पद की अवधि ने इस समीकरण को बदल दिया है। उन्होंने कहा कि जो लोग राष्ट्रपति चुनाव जीतते हैं, उनके साथ ऐसा नहीं होता। भले ही राष्ट्रपति पद सफल रहा हो, वे चुनाव नहीं जीत पाते। उन्होंने मौजूदा हाउस बहुमत को उसके सीमित अंतर

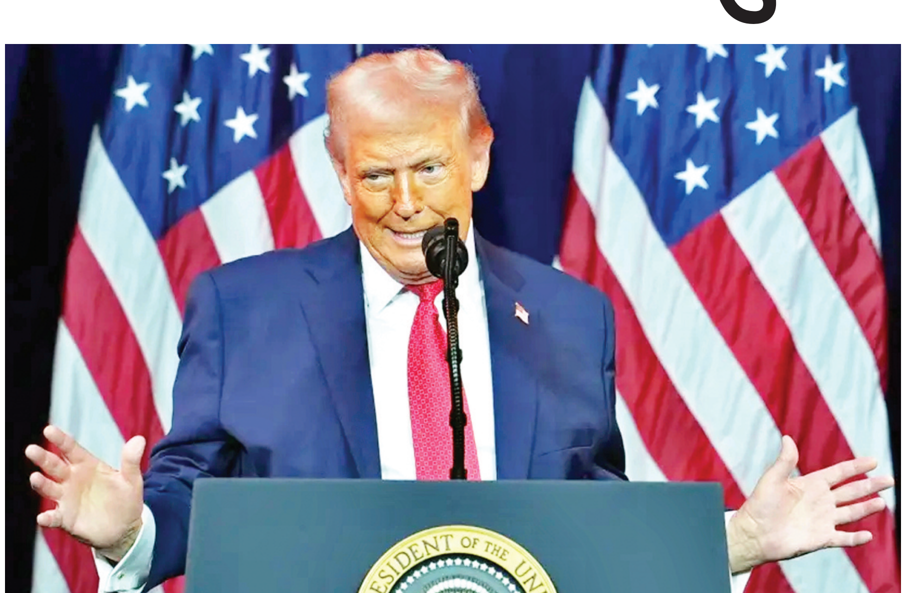

के बावजूद असामान्य रूप से एकजुट बताया। ट्रंप ने कहा कि यह कोई बड़ा बहुमत नहीं है, लेकिन यह एकजुट बहुमत है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने 2025 में 12 महीनों की अभूतपूर्व सफलता दिलाई है। अपने एक घंटे से अधिक चले भाषण में डोनाल्ड ट्रंप ने हाउस नेतृत्व की सराहना की और स्पीकर माइक जॉनसन का बिना शर्त समर्थन किया। उन्होंने कहा कि उन्हें मेरा पूर्ण समर्थन है।

साथ ही, ट्रंप ने सीमित रिपब्लिकन बहुमत की बाधाओं को भी स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि जब आपके पास तीन का बहुमत हो तो आप सख्त नहीं हो सकते। वहीं, ट्रंप ने चेतावनी दी कि आंतरिक विभाजन विधायी प्रयासों को पटरी से उतार सकते हैं। इसी बीच, राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रतिनिधि डग लामाल्फा को श्रद्धांजलि दी, जिनका एक दिन पहले निधन हो गया। कैलिफोर्निया के पानी से जुड़े मुद्दों के लिए लामाल्फा को याद करते हुए ट्रंप ने कहा कि हम एक महान सदस्य के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि लामाल्फा 100 प्रतिशत समय मेरे साथ वोट करते थे और ऐसे सदस्य थे जिन्हें कभी मनाने की जरूरत नहीं पड़ी।

ट्रंप ने यह भी बताया कि प्रतिनिधि जिम बेयर्ड और उनकी पत्नी एक गंभीर कार दुर्घटना से उबर रहे हैं। उन्होंने जानकारी दी कि वे ठीक हो जाएंगे। अपने संबोधन में, राष्ट्रपति ट्रंप ने पार्टी अनुशासन और एकता को चुनावी सफलता के लिए जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि बस साथ रहें। रिपब्लिकन के पास 'सभी नीतियां' हैं, जबकि डेमोक्रेट्स गोंद की तरह एक साथ रहते हैं। ट्रंप ने कहा कि उनकी पॉलिसी बहुत खराब है, लेकिन वे एक साथ रहते हैं। राष्ट्रपति ने रिपब्लिकन सदस्यों से अनुरोध किया कि वे उनके संदेश को अपने-अपने क्षेत्रों में ले जाएं।

वेनेजुएला अमेरिका को 30-50 मिलियन बैरल तेल देगा : ट्रंप

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि वेनेजुएला अमेरिका को 30 से 50 मिलियन बैरल तेल देगा और यह तेल बाजार दरों पर बेचा जाएगा एवं इससे होने वाली कमाई अमेरिकी सरकार के नियंत्रण में रहेगी। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि वेनेजुएला में अंतरिम सरकार अमेरिका को 30 से 50 मिलियन बैरल उच्च गुणवत्ता वाला तेल सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि इससे होने वाली कमाई से वेनेजुएला और अमेरिकी दोनों नागरिकों को फायदा होगा। ट्रंप ने लिखा कि यह तेल बाजार मूल्य पर बेचा जाएगा और पैसा मेरे द्वारा अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में नियंत्रित किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इसका उपयोग वेनेजुएला और अमेरिका के लोगों के फायदे के लिए किया जाए। उन्होंने ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट को बिना किसी देरी के इस योजना को लागू करने का निर्देश दिया। तेल को जहाजों में भरकर सीधे अमेरिकी बंदरगाहों पर उतारने के लिए भेजा जाएगा।

बांग्लादेश में होने वाले चुनावों की निगरानी के लिए पर्यवेक्षक नहीं भेजेगा संयुक्त राष्ट्र

न्यूयॉर्क/ढाका। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि वह बांग्लादेश में फरवरी में होने वाले संसदीय चुनावों की निगरानी के लिए पर्यवेक्षकों को वहां नहीं भेजेगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र की दैनिक प्रेस ब्रीफिंग में सवालों का जवाब देते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र को कहीं भी चुनाव पर्यवेक्षक भेजने की आवश्यकता नहीं है, जब तक कि उसे संयुक्त राष्ट्र महासभा या संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की ओर से अधिकृत न किया जाए। संयुक्त राष्ट्र ने आखिरी बार 2001 में बंगलादेश के चुनावों का निरीक्षण करने के लिए पर्यवेक्षकों को भेजा था।

यह पूछे जाने पर कि क्या संयुक्त राष्ट्र 12 फरवरी को होने वाले राष्ट्रीय संसदीय चुनावों का निरीक्षण करने के लिए ढाका में पर्यवेक्षकों को भेजेगा, दुजारिक ने पुष्टि की कि वह ऐसा नहीं करेगा। उन्होने कहा, नहीं। हम ऐसा नहीं करते। संयुक्त राष्ट्र खुद पर्यवेक्षकों को तब तक नहीं भेजता जब तक कि महासभा या सुरक्षा परिषद से कोई जनादेश न हो। इसलिए अब हम ऐसा नहीं करते हैं।रउन्होंने हालांकि कहा कि संयुक्त राष्ट्र जुड़ाव के अन्य रूपों पर विचार कर सकता है। उन्होंने कहा कि मैं आपके लिए यह जांच कर सकता हूं कि क्या संयुक्त राष्ट्र को

संबंधित देश कोई तकनीकी सहायता दे रहा है, जो हम अक्सर चुनावों के मामले में करते हैं। दुजारिक से 18 साल बाद बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान की देश वापसी और उनके बांग्लादेश में लोकतांत्रिक परिवर्तन को प्रभावित करने की संभावना पर टिप्पणी करने के लिए कहा गया, तो उन्होंने जवाब दिया कि मैं खबरों का आकलन करने वाला नहीं हूं। पत्रकार खबरों का आकलन करते हैं। इसलिए हम हर तरह से चुनावों और बंगलादेशी लोगों द्वारा अपने देश के लिए अपनी राजनीतिक दृष्टि की स्वतंत्र अभिव्यक्ति का समर्थन करेंगे।

पूर्व तीन बार की प्रधानमंत्री खालिदा जिया के हाल ही में निधन पर एक सवाल के जवाब में श्री दुजारिक ने संगठन की ओर से संवेदना व्यक्त की और कहा कि हम निश्चित रूप से उनके परिवार और बंगलादेश के लोगों के प्रति उनके निधन पर संवेदना व्यक्त करते हैं।

ग्रीन लैंड को हासिल करना अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए पहली प्राथमिकता: व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने यह साफ कर दिया है कि ग्रीनलैंड को हासिल करना संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा की प्राथमिकता है। यह आर्कटिक क्षेत्र में दुश्मनों को रोकने के लिए बहुत जरूरी है। राष्ट्रपति अपनी टीम के साथ इस महत्वपूर्ण लक्ष्य को हासिल करने के लिए कई विकल्पों पर चर्चा कर रहे हैं।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने विस्तार से भेजे गए बयान में कहा कि कमांडर इन चीफ के पास अमेरिकी सेना का इस्तेमाल

करने का विकल्प हमेशा होता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए कई विकल्पों पर चर्चा कर रहे हैं और अमेरिकी सेना का इस्तेमाल करने का विकल्प अभी खत्म नहीं हुआ है।

लेविट का बयान विदेश मंत्री मार्को रूबियो की इस हफ्ते की गई टिप्पणी के बाद आया है। रूबियो ने सांसदों से कहा था कि ट्रंप प्रशासन ग्रीनलैंड को खरीदने पर विचार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी सेना के वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को पकड़े जाने के बाद से ट्रंप प्रशासन ने विस्तारवादी नीति पर दिलचस्पी बढ़ा दी है।

ट्रंप ने रविवार को एयर फोर्स वन में पत्रकारों से कहा, रहमें राष्ट्रीय सुरक्षा के नजरिए से ग्रीनलैंड की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि ग्रीनलैंड डेनमार्क का एक अर्द्ध स्वायत्त क्षेत्र है। डेनमार्क उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) का सदस्य देश है।

फिलीपींस के मिंडानाओ द्वीप के पास भूकंप के तेज झटके, 6.7 रही तीव्रता

मनीला। फिलीपींस के दक्षिणी हिस्से में स्थित मिंडानाओ द्वीप के तट के पास बुधवार सुबह तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए।

फिलीपींस इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी (पीएचआईवीओएलसीएस) के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 6.7 मापी गई। यह भूकंप सुबह 11:02 बजे स्थानीय समय पर आया और इसका केंद्र दावाओ ओरिएंटल प्रांत के तटीय कस्बे मैनाय से लगभग 47 किलोमीटर दूर समुद्र में स्थित था। भूकंप की गहराई 42 किलोमीटर बताई गई है। भूकंप के तेज झटके पूरे मिंडानाओ द्वीप में महसूस किए गए, जिससे लोगों में कुछ समय के लिए दहशत फैल गई।

कई लोग अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। हालांकि राहत की बात यह रही कि भूकंप के तुरंत बाद किसी भी तरह के बड़े नुकसान या जान-माल के हताहत होने की कोई खबर नहीं मिली। भूकंप के केंद्र के आसपास तैनात पुलिस और आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने भी पुष्टि की है कि अब तक किसी तरह की चोट या गंभीर क्षति की सूचना नहीं है।

पीएचआईवीओएलसीएस ने बताया कि इस भूकंप के बाद झटके (आफ्टरशॉक्स) आने की संभावना बनी हुई है। खासकर भूकंप के केंद्र के नजदीकी इलाकों में नुकसान की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। इससे पहले 22 दिसंबर 2025 को भी फिलीपींस के पास समुद्री क्षेत्र में 5.7 तीव्रता का भूकंप आया था। उस भूकंप की जानकारी जर्मनी के जीएफजेड रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने दी थी। तब भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर थी और उसका केंद्र 8.32 डिग्री उत्तरी अक्षांश तथा 127.57 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। इसके अलावा, अक्टूबर 2025 में फिलीपींस के मध्य क्षेत्र में 6.9 तीव्रता का एक बेहद शक्तिशाली भूकंप आया था। उस भूकंप में कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई थीं, कुछ ढह भी गई थीं और कई लोगों की जान चली गई थी।

कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी, जिससे हालात और भी खराब हो गए थे। उस भूकंप का केंद्र सेबू प्रांत के समुद्री शहर बोगो से लगभग 19 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था और इसकी गहराई महज पांच किलोमीटर थी। एहतियात के तौर पर सुनामी चेतावनी भी जारी की गई थी, जिसे बाद में वापस ले लिया गया। फिलीपींस दुनिया के सबसे संवेदनशील भूकंपीय क्षेत्रों में से एक है। यह देश 'पैसिफिक रिंग ऑफ फायर' में आता है, जहां टेक्टोनिक प्लेटों की लगातार हलचल के कारण अक्सर भूकंप और ज्वालामुखी गतिविधियां होती रहती हैं।